मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 204
शनिवार, 07 फरवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में हाई अलर्ट के बीच आंतकी हमला, 31 की मौत, 169 घायल

इस्लामाबाद, 06 फरवरी। शुक्रवार को इस्लामाबाद के शहजाद टाउन इलाके में स्थित तरलाई इमामबाड़ा में एक विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम 31 लोग मारे गए और 169 अन्य घायल हो गए। यह घटना शुक्रवार की नमाज के लिए नमाजियों के इकट्ठा होने के दौरान हुई। प्रारंभिक जांच के बाद अधिकारियों ने इसे आत्मघाती बम हमला बताया है। इमामबाड़ा वह स्थान है जहां शिया मुसलमान कर्बला त्रासदी की याद में शोक मनाने के लिए इकट्ठा होते हैं।

घायलों को इलाज के लिए पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) और पॉलीक्लिनिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बचाव अभियान जारी है और सुरक्षा बल मौके पर पहुंच चुके हैं। किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विस्फोट की कड़ी निंदा की है। उनके कार्यालय ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री ने विस्फोट पर गहरा दुख व्यक्त किया है और इसकी कड़ी निंदा की है।

इस्लामाबाद में आत्मघाती बम हमला ऐसे समय हुआ है जब पाकिस्तानी सेना ने अपने बलूचिस्तान प्रांत में रद-उल-फितना-1 नाम से एक बड़ा अभियान चलाया है। 26 जनवरी को शुरू हुए इस अभियान में पाकिस्तानी सेना ने 216 बलूच विद्रोहियों को मार गिराया है। हालांकि, इस अभियान में 22 सुरक्षाकर्मी और 36 नागरिक भी शहीद हुए हैं। बलूचिस्तान की सीमा ईरान और अफगानिस्तान से लगती है और वहां लंबे समय से विद्रोह जारी है। बलूच समूह आजादी चाहते हैं और पाकिस्तानी सेना तथा 60 अरब अमेरिकी डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) से संबंधित परियोजनाओं को निशाना बना रहे हैं।

यह आत्मघाती बम हमला उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के दौरान हुआ है और पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मियों और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के बीच हुई घातक झड़पों के कुछ ही दिनों बाद हुआ है, जिसमें दोनों पक्षों को भारी जानमाल का नुकसान हुआ था। यह विस्फोट राजधानी में छह महीनों के भीतर हुआ दूसरा बड़ा विस्फोट है।

नवंबर में, इस्लामाबाद कोर्ट परिसर में एक कार विस्फोट में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 25 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने उस घटना को आत्मघाती हमला बताया था।

अंडर-19 विश्व कप में भारत की बादशाहत, इंग्लैंड को रौंदकर छठी बार बना विश्व चैंपियन

नई दिल्ली, 06 फरवरी। जिम्बाब्वे के हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए फाइनल में इंग्लैंड को 100 रनों से हराकर भारत की अंडर-19 टीम ने अपना छठा अंडर-19 विश्व कप खिताब जीत लिया है। आयुष म्हात्रे की अगुवाई वाली यह टीम अब तक अपराजित रही थी और उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की संतुलित टीम को मात दी, जिसने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था।

वैभव सूर्यवंशी ने बल्ले से रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। उन्होंने 80 गेंदों में 175 रन बनाकर भारत को 411/9 के विशाल स्कोर तक पहुँचाया। भारत ने सलामी बल्लेबाज आरोन जॉर्ज का विकेट जल्दी खो दिया, लेकिन सूर्यवंशी और कप्तान आयुष म्हात्रे ने शतकीय साझेदारी करके टीम को शानदार तरीके से संभाला। सूर्यवंशी दोनों में अधिक आक्रामक थे, जिन्होंने 55 गेंदों में शतक जड़ा। म्हात्रे ने भी भारत बनाम इंग्लैंड युवा वनडे मैच में आउट होने से पहले तेज अर्धशतक बनाया। सूर्यवंशी ने आउट होने से पहले शानदार 175 रन बनाए। भारत को कुछ गेंदों में लड़खड़ाने का सामना करना पड़ा, लेकिन अभिज्ञान कुंडू और कनिष्क चौहान ने टीम को शानदार अंत तक पहुँचाया।

इंग्लैंड की योजना के मुताबिक शुरूआत नहीं मिली। उन्होंने दो मेडन ओवर खेले और उसके बाद बेन डॉकिन्स और बेन मेस ने युवा टीम को मैच में वापस लाने की कोशिश की, लेकिन 412 रनों का पीछा करना एक मुश्किल चुनौती साबित हुआ। इंग्लैंड के कप्तान थॉमस रेव, जिन्होंने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक बनाया था, ने सिर्फ 35 रन बनाए। वहीं, कैलेब फाल्कनर ने शानदार पारी खेलते हुए 67 गेंदों में 115 रन बनाए। युवा खिलाड़ी ने अंत तक टीम को मुकाबले में बनाए रखा, लेकिन जीत हासिल नहीं कर सका। दूसरे छोर से कुछ समर्थन मिलने पर इंग्लैंड को अंतर पाटने में मदद मिल सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। फिर भी, यह क्रिकेट का एक रोमांचक मैच था जिसमें कुल 722 रन बने।

पीएम मोदी के भाषण पर राहुल गांधी का पलटवार, बोले- जो उचित समझो वही करो

नई दिल्ली, 06 फरवरी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण पर निशाना साधते हुए कहा कि जो उचित समझो वही करो। विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और जो उचित समझो वही करो के नारे लगाते हुए तख्तियां दिखाईं जिन पर धोखाधड़ी लिखा था। इस बीच, भारी नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन के बीच लोकसभा को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया और यह 9 फरवरी को सुबह 11:00 बजे फिर से शुरू होगी।

एक दिन पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए भाजपा सांसद रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ विवादास्पद गद्दार टिप्पणी को लेकर पार्टी के युवराज पर निशाना साधा और इसे सिख समुदाय का अपमान और कांग्रेस के अहंकार की पराकाष्ठा बताया। उच्च सदन में बहस के दौरान बोलते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से जुड़ी घटना का जिक्र किया, जिन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए रवनीत बिट्टू को संसद के बाहर गद्दार कहा था।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कल जो हुआ - कांग्रेस के 'युवराज', जिनका 'शातिर दिमाग' है, ने सदन के एक सदस्य को गद्दार कहा। उनका अहंकार चरम पर है। उन्होंने कांग्रेस छोड़ने वाले अन्य लोगों को गद्दार नहीं कहा, लेकिन इस सांसद को सिर्फ इसलिए गद्दार कहा क्योंकि वह सिख हैं। यह सिखों का अपमान है, गुरुओं का अपमान है। यह कांग्रेस की नफरत को दशार्ता है। बुधवार को संसद के मकर द्वार के पास राहुल गांधी और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच हुई कहासुनी के बाद यह विवाद शुरू हुआ। गांधी ने कहा कि देखो, एक गद्दार यहाँ से गुजर रहा है। उसका चेहरा देखो और बाद में जोड़ा, ₹नमस्कार, भाई, मेरे गद्दार दोस्त। चिंता मत करो, तुम वापस आओगे। बिट्टू ने हाथ मिलाने से इनकार कर दिया और पलटवार करते हुए गांधी को देश का दुश्मन कहा।

संसद में गतिरोध बरकरार, दोनों सदनों की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली, 06 फरवरी। विपक्षी सदस्यों द्वारा लगातार व्यवधान उत्पन्न करने के कारण लोकसभा को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया। इससे पहले, अध्यक्ष ओम बिरला ने नारेबाजी और तख्तियां प्रदर्शित करने के लिए सांसदों को फटकार लगाते हुए कहा कि बजट सत्र में अब तक सदन के कुल 19 घंटे और 13 मिनट बर्बाद हो चुके हैं। सदन सोमवार (9 फरवरी, 2026) को सुबह 11 बजे पुनः बैठेगा। बजट सत्र का पहला चरण 13 फरवरी को समाप्त होगा, जिसके बाद संसद 9 मार्च तक अवकाश पर रहेगी।

इसी बीच राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के बीच तीखी नोकझोक हुई। यह नोकझोक राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को लेकर थी, जिन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। इससे पहले संसद परिसर में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिट्टू को ₹गद्दार₹ कह दिया था, जिसके बाद एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। राज्यसभा की कार्यवाही शुक्रवार को अपने निर्धारित समय से करीब डेढ़ घंटा पहले ही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गयी। सदन की कार्यवाही निर्धारित समय से पहले स्थगित करने का प्रस्ताव कांग्रेस की तरफ से आया जिसे सरकार ने मान लिया।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारतीय रेल की वित्तीय स्थिति में काफी सुधार हुआ है और अब सभी खर्च पूरी करने के बाद कुछ राजस्व अधिशेष है। वैष्णव ने प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के उत्तर में बताया कि 2014-24 के दौरान 5.04 लाख नौकरियां सृजित की गईं, जबकि वर्तमान सरकार के तीसरे कार्यकाल में 1.5 लाख और रोजगार प्रदान किये जा रहे हैं। राज्यसभा में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी की सदस्य जया बच्चन ने विशेष देखभाल की जरूरत वाले बच्चों का मुद्दा उठाया और सरकार से मांग की कि देश में ऐसे बच्चों की संख्या को देखते हुए अनुकूल शिक्षा प्राप्त प्रशिक्षक तैयार किए जाएं। उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए जया ने विशेष देखभाल की जरूरत वाले बच्चों के लिए प्रशिक्षित लोगों की कमी रेखांकित की।

राज्यसभा में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी की सदस्य सुमित्रा वाल्मीकि ने सरकारी और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए 60 साल से अधिक उम्र के उनके बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल हेतु 45 दिन की अनिवार्य छुट्टी की मांग की। गोवा के भाजपा सांसद सदानंद शेट तानावड़े ने शुक्रवार को राज्य में पर्यटन को निशाना बनाने वाले ऑनलाइन धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों पर राज्यसभा में चिंता व्यक्त की और सरकार से फर्जी होटल बुकिंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी के खिलाफ कड़े कदम उठाने का आग्रह किया।

बीएसएफ के 60 साल बेमिसाल: अमित शाह

कठुआ, 06 फरवरी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कठुआ के बोबिया चौकी से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की प्रशंसा करते हुए बल को भारत की रक्षा करने वाली अपरिहार्य दीवार बताया और राष्ट्र की प्रशंसा अर्जित करने का श्रेय बीएसएफ कर्मियों को दिया, साथ ही ऑपरेशन सिंदूर को उनकी वीरता का एक शानदार उदाहरण बताया। जम्मू और कश्मीर के सीमा चौकी बोबिया के अपने दौरे के दौरान बीएसएफ कर्मियों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि जब भी वे बीएसएफ चौकियों का दौरा करते हैं, तो उन्हें बल से कर्तव्य, अनुशासन और बलिदान के पाठ मिलते हैं।

शाह ने कहा कि जब भी मैं बीएसएफ चौकी की सीमा पर जाता हूं, चाहे वह कच्छ का रेगिस्तान हो, राजस्थान का रेगिस्तान हो या जम्मू-कश्मीर का इलाका, मैं हमेशा आप सभी से कर्तव्य-चेतना और कर्तव्य-जागरूकता के मूल्यों को सीखता हूं। अगर सभी सेवाओं में किसी एक को सम्मान देना है, तो वह मेरे बीएसएफ के युवा हैं जो हमेशा सीमा पर तैनात रहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आप अपने 60 साल के वीरतापूर्ण इतिहास के कारण देश की जनता में यह भावना जगाने में सक्षम हैं।

उन्होंने कहा कि हालांकि बीएसएफ कर्मी हमेशा सोशल मीडिया से जुड़े नहीं रहते हैं, लेकिन आज के बारे में उनकी पोस्ट पर कई टिप्पणियां उनके लिए नहीं बल्कि बीएसएफ कर्मियों के लिए होंगी, जो एक बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि आज जब मैं बोबिया चौकी कठुआ आऊंगा, तो सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट करूंगा। आप नीचे दिए गए कमेंट जरूर पढ़ें।

मुंबई (महाराष्ट्र)से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ

प्रजापति समाज के होनहार छात्र-छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति हेतु आवेदन

प्रजापति समाज मुंबई उच्च शिक्षा (चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, कानून आदि) ग्रहण कर रहे समाज के मेधावी छात्रों से छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करा रहा है, ताकि छात्र-छात्राओं में प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा दिया जा सके। छात्र 15 फरवरी 2026 या उससे पहले आवेदन करें।

निवेदक:
प्रोफेसर रामजन्म प्रजापति
(अध्यक्ष: प्रजापति समाज मुंबई)
गूगल फॉर्म का लिंक नीचे दिया गया है-
https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLScsFwc2KBiq613bqOX5uPtAwZWdePD4_XZxB5kay0cNDO525g/viewform?usp=dialog

यूपी में न दंगे, न कर्फ्यू: योगी

हरिद्वार। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को हरिद्वार में सप्त सरोवर रोड स्थित भारत माता मंदिर के पास सप्तऋषि आश्रम मैदान में आयोजित संत सम्मेलन में भाग लेते हुए कहा कि हाल के वर्षों में राज्य ने काफी सुधार किया है, अब राज्य में कोई दंगा या कर्फ्यू नहीं है, और यह भारतीय अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी कमजोर राज्य रहा उत्तर प्रदेश आज भारत की अर्थव्यवस्था में एक नई उपलब्धि बन रहा है और प्रगति के नए पथ पर अग्रसर है। न कर्फ्यू है, न दंगे, उत्तर प्रदेश में अब सब कुछ ठीक है। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बद्रीनाथ धाम और केदारनाथ धाम न केवल देश के आध्यात्मिक केंद्र हैं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के केंद्र बिंदु भी हैं।

इलाज के नाम पर लूट

-प्रियंका सौरभ

देश की हॉस्पिटल व्यवस्था में मुनाफाखोरी इंश्योरेंस और सरकारी व्यवस्था का दुरुपयोग और आम आदमी की बेबसी

- डॉ० प्रियंका सौरभ

आज देश की हॉस्पिटल व्यवस्था जिस हालत में पहुँच चुकी है, वह किसी एक व्यक्ति की पीड़ा नहीं, बल्कि करोड़ों आम नागरिकों का साझा अनुभव बनती जा रही है। इलाज, जो कभी सेवा और संवेदना का क्षेत्र माना जाता था, अब धीरे-धीरे मुनाफे का ऐसा संगठित उद्योग बन चुका है, जहाँ इंसान की बीमारी से ज्यादा उसकी जेब, उसका इंश्योरेंस और उसका सामाजिक दर्जा देखा जाता है। बड़े-बड़े निजी अस्पतालों की चमक-दमक, एयर-कंडीशन्ड गलियारे और आधुनिक मशीनें बाहर से भले ही

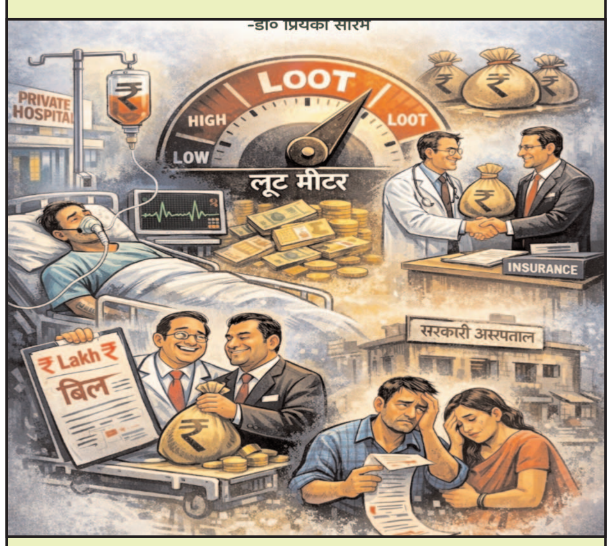

तरक्की का भ्रम पैदा करती हों, लेकिन भीतर एक ऐसी व्यवस्था काम कर रही है जो आम आदमी के लिए किसी आर्थिक यातना से कम नहीं है।

आज अगर कोई साधारण व्यक्ति किसी बड़े अस्पताल में इलाज कराने जाता है, तो सबसे पहला सवाल उसकी बीमारी को लेकर नहीं, बल्कि उसकी भुगतान क्षमता को लेकर होता है। रिसेप्शन पर, एडमिशन काउंटर पर या डॉक्टर से मिलने से पहले ही यह पूछा जाता है कि आपके पास हेल्थ इंश्योरेंस है या नहीं, आप सरकारी नौकरी में हैं या प्राइवेट, कैश में भुगतान करेंगे या कैशलेस। इस एक सवाल के जवाब से मरीज का पूरा इलाज तय हो जाता है। जैसे ही यह स्पष्ट होता है कि मरीज इंश्योरेंस कवर में है या किसी सरकारी/कॉर्पोरेट स्कीम के अंतर्गत आता है, अस्पताल का रवैया पूरी तरह बदल जाता है। इलाज की जगह एक योजनाबद्ध कमाई की प्रक्रिया शुरू हो जाती है।

इंश्योरेंस होने का मतलब होना चाहिए सुरक्षा, लेकिन आज के समय में यह कई निजी अस्पतालों के लिए खुली छूट का लाइसेंस बन चुका है। जरूरत से ज्यादा महँगी दवाइयाँ लिख दी जाती हैं, जिनके सस्ते और समान प्रभाव वाले विकल्प आसानी से उपलब्ध होते हैं। ऐसे-ऐसे टेस्ट कराए जाते हैं जिनका न तो बीमारी से सीधा संबंध होता है और न ही इलाज की दिशा तय करने में कोई ठोस भूमिका। एमआरआई, सीटी स्कैन, बार-बार की ब्लड जाँच, स्पेशल पैनल टेस्ट—सब कुछ ह्यरूटीनह्न के नाम पर जोड़ दिया जाता है। मरीज और उसके परिजन डॉक्टर की बात पर आँख मूँदकर भरोसा करते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि डॉक्टर उनके भले के लिए ही ऐसा कर रहे हैं, जबकि हकीकत कई बार इससे उलट होती है।

सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनती है, जब मरीज की हालत में सुधार हो जाने के बावजूद उसे अस्पताल में रोके रखा जाता है। जो मरीज सामान्य परिस्थितियों में चार-पाँच दिन में डिस्चार्ज हो सकता है, उसे जानबूझकर दस-पंद्रह दिन तक भर्ती रखा जाता है। कारण साफ है—जितने ज्यादा दिन भर्ती, उतना ज्यादा बिल। बेड चार्ज, नर्सिंग चार्ज, डॉक्टर विज़िट, दवाइयाँ, कंज्यूमेबल्स—हर दिन के साथ बिल फूलता चला जाता है। मरीज की सेहत से ज्यादा ध्यान अब इस बात पर होता है कि इंश्योरेंस क्लेम की सीमा पूरी तरह इस्तेमाल हो जाए।

इस पूरी प्रक्रिया में आम आदमी सबसे ज्यादा असहाय होता है। उसे न तो मेडिकल ज्ञान होता है और न ही अस्पताल की जटिल बिलिंग प्रणाली को समझने की क्षमता। अगर कोई सवाल करता है तो उसे डराया जाता है कि इलाज प्रभावित हो सकता है, या फिर तकनीकी शब्दों में ऐसा उलझा दिया जाता है कि वह चुप रह जाना ही बेहतर समझता है। कई बार मरीज के परिजन यह भी महसूस करते हैं कि उन्हें जानबूझकर भ्रम में रखा जा रहा है, लेकिन बीमार व्यक्ति की जान दाँव पर लगी हो तो विरोध करने का साहस बहुत कम लोग कर पाते हैं।

सरकारी अस्पतालों की स्थिति भी कोई बहुत संतोषजनक नहीं है। वहाँ इलाज सस्ता या मुफ्त तो है, लेकिन भीड़, संसाधनों की कमी और अव्यवस्था के कारण मरीजों को घंटों लाइन में लगना पड़ता है। बेड की कमी, स्टाफ की कमी और दवाइयों की अनुपलब्धता के चलते कई लोग मजबूरी में निजी अस्पतालों की ओर रुख करते हैं। इस मजबूरी का फायदा निजी अस्पताल बखूबी उठाते हैं। एक तरह से सरकारी व्यवस्था की कमजोरी, निजी लूट को और मजबूत कर रही है।

स्वास्थ्य बीमा योजनाएँ, जिनका उद्देश्य आम आदमी को आर्थिक सुरक्षा देना था, आज कई मामलों में उल्टा असर डाल रही हैं। इंश्योरेंस कंपनियाँ और अस्पतालों के बीच एक अघोषित गठजोड़ सा दिखाई देता है, जिसमें मरीज सिर्फ.एक माध्यम बनकर रह जाता है। फर्जी या बढ़ा-चढ़ाकर बनाए गए बिल, अनावश्यक प्रक्रियाएँ और पैकेज सिस्टम के नाम पर तयशुदा लूट—ये सब अब अपवाद नहीं, बल्कि आम चलन बनते जा रहे हैं। दुखद यह है कि इस पूरे खेल में नैतिकता कहीं पीछे छूट जाती है।

यह भी देखने में आता है कि एक ही बीमारी के इलाज का खर्च अलग-अलग मरीजों के लिए अलग-अलग होता है। जिसके पास इंश्योरेंस नहीं है, उसके लिए इलाज कम खर्चह्न में समेट दिया जाता है, और जिसके पास इंश्योरेंस है, उसके लिए वही बीमारी कई गुना महँगी हो जाती है। इससे बड़ा विरोधाभास और क्या हो सकता है? बीमारी तो एक-सी है, इलाज भी लगभग वही है, लेकिन बिल में जमीन-आसमान का अंतर सिर्फ.भुगतान के स्रोत के कारण। इस स्थिति का सबसे भयावह पहलू यह है कि धीरे-धीरे लोगों का चिकित्सा व्यवस्था से भरोसा उठता जा रहा है। डॉक्टर, जिन्हें कभी भगवान का दर्जा दिया जाता था, अब शक की नजर से देखे जाने लगे हैं। हर पर्ची, हर टेस्ट और हर सलाह पर सवाल उठने लगा है कि यह जरूरी है या सिर्फ.कमाई का जरिया। यह अविश्वास पूरे समाज के लिए खतरनाक है, क्योंकि बिना भरोसे के कोई भी व्यवस्था लंबे समय तक टिक नहीं सकती। सरकार की ज़िम्मेदारी यहाँ बेहद अहम हो जाती है। स्वास्थ्य को सिर्फ.बाजार के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। सख़्त रेगुलेशन, पारदर्शी बिलिंग सिस्टम और प्रभावी निगरानी के बिना निजी अस्पतालों पर अंकुश लगाना मुश्किल है। इलाज की दरों, बेड चार्ज, टेस्ट और दवाइयों की कीमतों पर स्पष्ट और कड़ाई से लागू होने वाले नियम होने चाहिए। इंश्योरेंस क्लेम की प्रक्रिया में स्वतंत्र ऑडिट और शिकायत निवारण की मजबूत व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए, ताकि मरीज को न्याय मिल सके।

इसके साथ-साथ सरकारी अस्पतालों को मजबूत करना भी उतना ही जरूरी है। जब तक आम आदमी को भरोसेमंद, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण सरकारी स्वास्थ्य सेवाएँ नहीं मिलेंगी, तब तक वह निजी अस्पतालों की लूट का शिकार होता रहेगा। स्वास्थ्य को खर्च नहीं, बल्कि निवेश मानकर देखना होगा—निवेश, जो देश की सबसे बड़ी पूंजी, यानी उसके नागरिकों के जीवन में किया जाता है।

आखिर में सवाल सिर्फ.व्यवस्था का नहीं, बल्कि सोच का भी है। क्या हम इलाज को सिर्फ.मुनाफे का साधन मानने को तैयार हैं, या फिर उसे इंसानियत और सेवा से जोड़कर देखना चाहते हैं? अगर समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो वह दिन दूर नहीं जब बीमारी से ज्यादा डर इलाज के बिल से लगने लगेगा। और जब इलाज डर का कारण बन जाए, तब समझ लेना चाहिए कि व्यवस्था गंभीर रूप से बीमार हो चुकी है—और उसका इलाज अब टालना, पूरे समाज के लिए घातक साबित हो सकता है।

शिव : देव नहीं, ष्टि व भविष्य हैं...

-सुरेश गांधी

भारतीय दर्शन में शिव किसी सीमित परिभाषा में बंधे देव नहीं हैं। वे सृष्टि के आरंभ और अंत, दोनों के साक्षी हैं। ऋग्वेद के रुद्र से लेकर कश्मीरी शैव दर्शन के ह्यपरमशिवह्न तक, शिव एक विकासमान अवधारणा हैं। वे भस्मधारी भी हैं और नटराज भी; वैराग्य भी और गृहस्थ भी। यही द्वंद्व शिव को आज के मनुष्य के सबसे निकट लाता है। आधुनिक जीवन भी इसी द्वंद्व से भरा है, उपभोग और त्याग, गति और ठहराव, उपलब्धि और रिक्तता। शिव इन विरोधों को मिटाते नहीं, स्वीकार करते हैं। भारतीय पर्व प्रायः ह्यदिवसह्न होते हैं, दीपावली, होली, दशहरा। लेकिन शिव की आराधना रात्रि में क्यों? क्योंकि रात्रि प्रतीक है, अज्ञान की, शून्य की, अनंत की। योग परंपरा मानती है कि महाशिवरात्रि वह समय है जब उत्तरी गोलार्द्ध में ग्रहों की स्थिति ऐसी होती है कि मानव चेतना स्वाभाविक रूप से ऊपर उठने को प्रवृत्त होती है। यह वैज्ञानिक दावा नहीं, लेकिन अनुभूति आधारित सत्य है कि मौन, अंधकार और एकांत में मन अधिक गहराई से स्वयं को सुनता है। यह वहीं क्षण है जब स्थूल से सूक्ष्म की यात्रा संभव होती है। यह वही रात्रि है जब साधक जागता है, क्योंकि अज्ञान सोता है। कहते हैं, इस रात ध्यान, मौन और जागरण करने से मनुष्य अपने भीतर छिपे शिवत्व से साक्षात्कार कर सकता है। साधकों को आत्मबोध की अनुभूति होती है।

कुंवारी कन्याओं के लिए यह मनचाहे वर की कामना है, विवाहित स्त्रियों के लिए अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद और साधकों के लिए, बंधन से मुक्ति का द्वार। पर शिव को केवल वरदाता मान लेना शिव को सीमित कर देना है। शिव सृजन, पालन और संहार, तीनों के प्रतीक हैं। वे आरंभ भी हैं और अंत भी। देवों के देव महादेव, जिन्हें शिव, शंकर, भोलेनाथ, नीलकंठ और महेश्वर जैसे असंख्य नामों से पुकारा गया, इस रात्रि सृष्टि, पालन और संहारकृतीनों के केंद्र में प्रतिष्ठित दिखाई देते हैं। संस्कृत, अवधी, ब्रज, हिंदी, हर भाषा में शिव साहित्य के केंद्र में रहे हैं। कालिदास का ह्यकुमारसंभवह्न, तुलसी का ह्यरामचरितमानसह्न (जहाँ शिव रामभक्ति के आदर्श हैं), आधुनिक हिंदी कविता में अज्ञेय, केदारनाथ सिंह, और धूमिल तक, शिव प्रतीक बनकर उपस्थित हैं। शिव साहित्य में ह्यकहनाह्न कम, ह्यसंकेतह्न अधिक है। शायद इसलिए कि शिव को कहा नहीं जा सकता, केवल जिया जा सकता है। धार्मिक और योगिक मान्यताओं के अनुसार, महाशिवरात्रि की रात्रि में ब्रह्मांडीय ऊर्जा का प्रवाह नीचे से ऊपर की ओर होता है। यही कारण है कि इस रात्रि जागरण, ध्यान और साधना को विशेष महत्व दिया गया है। यह केवल व्रत या कर्मकांड नहीं, बल्कि चेतना की दिशा बदलने का अवसर है।

काशी : जहां शिव शव नहीं, चेतना बन जाते हैं

काशी केवल एक नगर नहीं, एक अवस्था है। यहाँ शिव मृत्यु के देवह्ल नहीं, मुक्ति के सूत्रधार हैं। काशी को समझने के लिए मानचित्र नहीं, चेतना चाहिए। यह शहर नहीं, समय है। यह भूगोल नहीं, ब्रह्मांड है। जहां दुनिया शहरों को बसाती है, वहां काशी स्वयं प्रकट होती है। यहां जीवन और मृत्यु एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक ही यात्रा के दो चरण हैं। यही कारण है कि काशी को देखने नहीं, अनुभव करने की आवश्यकता होती है। और यही अनुभव महाशिवरात्रि की रात्रि में अपने चरम पर होता है, जब शिव, शक्ति, चेतना और ऊर्जा एक-दूसरे में विलीन हो जाते हैं। मान्यता है कि काशी में मृत्यु, अंत नहीं, आरंभ है। महाशिवरात्रि पर काशी की गलियां केवल श्रद्धालुओं से नहीं, कथाओं से भर जाती हैं। हर दीपक, हर शंख ध्वनि, हर हर महादेव का उद्घोष, समय को रोक देता है। मतलब साफ है काशी का शिव केवल धार्मिक नहीं, सांस्कृतिक और दार्शनिक भी है। या यूं कहे यदि भारत की आत्मा कहीं सबसे स्पष्ट रूप में स्पंदित होती है, तो वह काशी है। महाशिवरात्रि की रात काशी केवल नगर नहीं रहती, वह जीवित मंत्र बन जाती है। पतितपावनी मां गंगा के तट पर बसे घाटों पर दीपों की कतारें, शंख-घड़ियाल की गूंज, हर-हर महादेव के जयकारे और मध्यरात्रि में बाबा विश्वनाथ का दिव्य श्रृंगार, यह दृश्य स्वयं में मोक्ष का अनुभव करा देता है। धर्मग्रंथों के अनुसार काशी भगवान शिव के त्रिशूल पर बसी है। इसलिए प्रलय में भी इसका नाश नहीं होता। यही कारण है कि सप्तपुरियों में काशी को मोक्ष की नगरी कहा गया है।

काशी : मोक्ष का स्थायी पता

काशी को अविमुक्त क्षेत्र कहा गया है, अर्थात जिसे शिव कभी नहीं छोड़ते। मान्यता है कि काशी में प्राण त्याग करने वाले को शिव स्वयं कान में तारक मंत्र देते हैं, जिससे जीव जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्त हो जाता है। मत्स्यपुराण कहता है कि जो जप, ध्यान, ज्ञान से वंचित हैं, उनके लिए काशी ही अंतिम गति है। खास यह है कि दुनिया में शायद काशी ही एकमात्र स्थान है जहां शिव दो रूपों में, एक ही नाम से विराजमान हैं। 1. गंगा तट पर स्थित प्राचीन काशी विश्वनाथ, 2. काशी हिंदू विश्वविद्यालय परिसर स्थित नया विश्वनाथ मंदिर. बीएचयू का मंदिर आधुनिक होते हुए भी चेतना में उतना ही प्राचीन है। महामना मदन मोहन मालवीय को प्राप्त दिव्य आदेश और बिरला परिवार की श्रद्धा ने इसे आकार दिया।

पांच आरतियां : सृष्टि का दैनिक चक्र

काशी विश्वनाथ की पांच आरतियां मानो ब्रह्मांड के पांच चरण हों, मंगला आरती : सृष्टि का जागरण, भोग आरती : पालन,

सप्तऋषि आरती : ज्ञान, श्रृंगार आरती : वैभव, शयन आरती : लय

कांवड़ : तपस्या का उत्सव

तीर्थराज प्रयाग से काशी तक 120 किमी की यात्रा केवल पैदल चलना नहीं, बल्कि आत्मसंयम की साधना है। ब्रह्मचर्य, नंगे पांव, बिना साबुन, तेल, यह आधुनिक मनुष्य के लिए असंभव सा लगता है, लेकिन कांवड़िए इसे सहज भाव से करते हैं।

गंगा : मां, मार्ग और मोक्ष

काशी में गंगा उत्तरवाहिनी हो जाती हैं, मानो स्वयं शिव को प्रणाम करने के लिए। घाटों पर जीवन बसता है जन्म, विवाह, साधना और मृत्यु, सब एक साथ।

मुगल आक्रांता और शिव की अविच्छिन्नता

गोरी से औरंगजेब तक, काशी को तोड़ा गया, लेकिन शिव को नहीं। ज्ञानवापी आज भी इस सत्य की गवाही देता है कि संरचनाएं गिर सकती हैं, चेतना नहीं।

शिव और जाति-विमर्श : भस्म समानता का प्रतीक

शिव का शरीर भस्म से लिप्त है, यह कोई श्रृंगार नहीं, यह संदेश है। भस्म सबको समान कर देती है। शैव परंपरा में जाति, वर्ण, लिंग, सब गौण हैं। नाथ पंथ, वीरशैव, लिंगायत आंदोलन, सभी ने शिव को सामाजिक समता के प्रतीक के रूप में देखा। आज जब समाज फिर से विभाजनों की ओर बढ़ रहा है, शिव की भस्म हमें स्मरण कराती है, अंततः सब राख हैं।

शिव और विज्ञान : नटराज का ब्रह्मांड

सर्न परिसर में स्थापित नटराज की प्रतिमा केवल सांस्कृतिक प्रतीक नहीं। यह इस बात की स्वीकारोक्ति है कि भारतीय दर्शन ने सृष्टि को नृत्य के रूप में देखा, ऊर्जा का सतत प्रवाह। आधुनिक भौतिकी भी कहती है, कुछ भी स्थिर नहीं। शिव का तांडव इसी गतिशीलता का रूपक है।

महाशिवरात्रि और आज का युवा

आज का युवा शिव को इंस्टाग्राम, रील्स, टैटू और डार्क एस्थेटिक्स में खोजता है। यह सतही लग सकता है, लेकिन यह भी एक खोज है, पहचान की, अर्थ की। शिव परफेक्ट नहीं हैं। वे त्रुटियों, विष और विषाद को भी धारण करते हैं। शायद इसलिए युवा उनसे जुड़ता है, क्योंकि शिव सफलता का नहीं, स्वीकार का देवता है।

स्त्री और शिव : शक्ति के बिना शून्य

शिव बिना शक्ति के शव हैं, यह कथन केवल धार्मिक नहीं, दार्शनिक है। पार्वती, काली, दुर्गा, शक्ति के रूपों के बिना शिव निष्क्रिय हैं। यह स्त्री को पूज्य बनाने की नहीं, आवश्यक मानने की परंपरा है।

महाशिवरात्रि : उपवास या उपस्थिति?

उपवास का अर्थ केवल भोजन त्याग नहीं। उप यानी निकट, वास यानी ठहरना, अपने निकट ठहरना। महाशिवरात्रि आत्म-समीक्षा की रात्रि है।

शव ही शिव है : चेतना का दर्शन

आज मनुष्य की स्थिति उस गुब्बारे जैसी हो गई है जो स्वयं हवा से भरा होकर भी बाहर हवा खोज रहा है। हम धर्म को सैद्धान्तिक, कर्मकांड को औपचारिकता और जीवन को केवल भौतिक उपलब्धियों का उत्सव मान बैठे हैं। इसी भ्रम में सत्य हमारी पकड़ से दूर होता चला गया। सनातन दर्शन का एक अत्यंत गूढ़ सूत्र है, शव ही शिव है और शिव ही शव भी। अंतर केवल एक है, ईश्वरीय तत्व की अनुभूति। जिस शरीर में चेतना जागृत नहीं, वह शव है। और जिस चेतना ने शरीर को साधन बना लिया, वह शिव है। आज का मनुष्य इसी द्वंद्व में फंसा है। हम संसाधनों से घिरे हैं, लेकिन अनुभूति से वंचित। हम शरीर को ही स्वयं मान बैठे हैं, जबकि शरीर केवल उपकरण है। महाशिवरात्रि इसी बोध की रात्रि है कि हम शिव बनकर जिएं या शव बनकर, यह हमारा चयन है। विज्ञान भी स्वीकार करता है कि हर ऊर्जा शरीर तक सीमित नहीं होती, पर उसकी तरंगें और आवृत्तियां उसका अस्तित्व सिद्ध करती हैं। गुरुत्वाकर्षण, विद्युत-चुंबकीय बलकृये सभी बिना शरीर के भी अनुभव किए जाते हैं। ठीक इसी प्रकार शिव भी जैविक चेतना की उस अवस्था का नाम हैं, जहां शरीर और ब्रह्मांड के बीच की रेखा मिट जाती है।

द्वादश ज्योतिर्लिंग : जहां शिव स्वयं प्रकट हुए

यद्यपि शिव सर्वत्र हैं, किंतु पृथ्वी पर बारह ऐसे पवित्र स्थान माने गए हैं जहां भगवान शिव स्वयं ज्योति के रूप में प्रकट हुए, इन्हें द्वादश ज्योतिर्लिंग कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार पृथ्वी पर 12 ऐसे स्थान हैं जहां भगवान शिव स्वयं ज्योति के रूप में प्रकट हुए। इन्हें द्वादश ज्योतिर्लिंग कहा जाता है। इनका स्मरण मात्र भी मोक्षदायी माना गया है।

1. सोमनाथ : पृथ्वी का प्रथम ज्योतिर्लिंग। श्रापग्रस्त चंद्रमा की तपस्या से प्रसन्न होकर शिव ने उन्हें अपने मस्तक पर धारण किया। यह ज्योतिर्लिंग पुनरुत्थान का प्रतीक है।

2. मल्लिकार्जुन : यह पिता - पुत्र और पारिवारिक प्रेम का प्रतीक है, जहां शिव - पार्वती पुत्र कार्तिकेय के वियोग में स्वयं ज्योति बन गए।

3. महाकालेश्वर : एकमात्र दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग। समय पर विजय का प्रतीक। यहां शिव काल के भी काल हैं।

4. ओंकारेश्वर : नर्मदा के ॐ आकार प्रवाह में स्थित यह लिंग नाद ब्रह्म का प्रतीक है।

5. केदारनाथ : जहां पांडवों के पाप भी हिमालय में गल गए।

6. भीमाशंकर : अत्याचार पर धर्म की विजय का प्रतीक।

7. काशी विश्वनाथ : शिव और शक्ति का अद्वैत स्वरूप :जहां शिव स्वयं तारक मंत्र देते हैं। काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि शिव-शक्ति का जीवंत दर्शन है। यहां शिव और शक्ति एक साथ विराजमान हैं, दाहिने भाग में शक्ति स्वरूपा भगवती और वाम भाग में सौम्य शिव। यही अद्वैत भाव काशी को विश्व में अद्वितीय बनाता है। द्वादश ज्योतिर्लिंगों में काशी विश्वनाथ वह एकमात्र ज्योतिर्लिंग है, जिसके दर्शन मात्र से शेष 11 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का पुण्य प्राप्त होता है। यही कारण है कि महाशिवरात्रि पर देश-दुनिया से लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।

8. त्र्यंबकेश्वर : जहां ब्रह्मा, विष्णु और महेश एक ही लिंग में समाहित हैं।

9. वैद्यनाथ : जहां शिव स्वयं वैद्य बनते हैं।

10. नागेश्वर : भय और विष से मुक्ति का प्रतीक।

11. रामेश्वरम : जहां राम भी शिव के शरणागत हैं।

12. घृष्णेश्वर : जहां भक्ति मृत्यु पर भी विजय पा लेती है।

शिव : रोग, भय और मृत्यु से परे का तत्व

सनातन मान्यता है कि भगवान शिव की आराधना से रोग, कष्ट, दरिद्रता और अकाल मृत्यु का भय नष्ट होता है। शिव किसी एक रूप में सीमित नहीं, वे कण-कण में व्याप्त चेतना हैं। यही कारण है कि शिव को केवल देव नहीं, तत्व कहा गया। यह तत्व जब जागृत होता है, तो जीवन में शांति स्वतः उतर आती है।

भक्ति से बोध तक

हिंदू धर्म ने भक्ति, प्रेम और कल्पना के माध्यम से ईश्वर को मूर्त रूप दिया, ताकि परिवर्तनशील परिस्थितियों में भी सत्य पर विश्वास अडिग रहे। किंतु दुर्भाग्यवश हम मूर्ति की आराधना में उलझ गए और अपने भीतर बसे ईश्वर को पहचानना भूल गए। जब चेतना शरीर की सीमाओं से परे जाएगी, तभी कर्म के माध्यम से वास्तविक धर्म की स्थापना संभव होगी, और तभी हम शव नहीं, शिव बनकर जी पाएंगे। महाशिवरात्रि आत्म-जागरण का पर्व है। यह याद दिलाने का अवसर कि जीवन केवल सांसों का गणित नहीं, चेतना की साधना है। निर्णय हमारा है, हम शव बनकर जिएँ या शिव बनकर।

जब शिव जागते हैं, तब सृष्टि स्वयं को पहचानती है

महाशिवरात्रि कोई साधारण पर्व नहीं है। यह रात्रि नहीं, काल का विराम है। यह वह क्षण है, जब सृष्टि की धड़कनें शिव के डमरू से ताल मिलाती हैं, जब अंधकार भी प्रकाश में परिवर्तित हो जाता है और जब मनुष्य अपनी सीमाओं से ऊपर उठकर ब्रह्म से संवाद करता है। सनातन परंपरा में यह वही रात्रि है, जब शिव केवल पूजे नहीं जाते, अनुभूत किए जाते हैं। फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की यह पावन रात्रि शिव-शक्ति के महासंयोग, सृष्टि के संतुलन और चेतना के जागरण का प्रतीक है। शास्त्रों के अनुसार इसी रात्रि भगवान शिव ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट हुए थे। यही कारण है कि महाशिवरात्रि को शिव तत्व के प्राकट्य का उत्सव कहा गया है।

महाशिवरात्रि का तात्त्विक अर्थ

महाशिवरात्रि अंधकार से भयभीत होने की नहीं, अंधकार में उतरकर प्रकाश खोजने की रात्रि है। यह पर्व हमें सिखाता है कि शिव बिना शक्ति के अधूरे हैं, शक्ति बिना शिव के दिशाहीन है और मानव बिना आत्मबोध के अशांत है. उपवास, जागरण और रुद्राभिषेक का उद्देश्य केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि मन, वाणी और कर्म की शुद्धि है। यह रात्रि काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार पर विजय की साधना है।

रुद्राभिषेक और महामृत्युंजय : शिव कृपा का द्वार

शास्त्रों में महाशिवरात्रि पर रुद्राभिषेक को अत्यंत फलदायी माना गया है। गंगाजल, दूध, दही, घी, शहद और बेलपत्र से किया गया अभिषेक जीवन की समस्त बाधाओं को शांत करता है। महामृत्युंजय मंत्र का जाप, ह्लॐ त्र्यम्बकं यजामहे...ह्व रोग, भय, ग्रह बाधा और अकाल मृत्यु से रक्षा का महामंत्र माना गया है। मान्यता है कि इस मंत्र का श्रद्धापूर्वक जाप करने से जीवन में स्थिरता और मृत्यु के भय से मुक्ति मिलती है।

शिव : औघड़ भी, करुणामय भी

भस्म से विभूषित शरीर, जटाओं में गंगा, गले में सर्प और मस्तक पर चंद्रमा, शिव का स्वरूप विरोधाभासों का सौंदर्य है। वे औघड़ भी हैं और करुणामय भी। वे संहारक भी हैं और सृजनकर्ता भी। यही कारण है कि शिव को देवाधिदेव महादेव कहा गया है। शिव शब्द का अर्थ है, कल्याण। शिव ही शंकर हैं, जो हर विष को अमृत में बदल देते हैं।

आज की काशी, शाश्वत शिवत्व

श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के निर्माण के बाद काशी ने आधुनिकता और सनातनता का अद्भुत संगम देखा है। करोड़ों श्रद्धालु हर वर्ष बाबा के दर्शन को आते हैं, लेकिन काशी की आत्मा वही है, अविचल, अविनाशी, अविमुक्त। 13 दिसंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लोकार्पित श्रीकाशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर ने आस्था को नई भव्यता दी। 5.27 लाख वर्ग फीट में विस्तारित इस धाम ने काशी को वैश्विक आध्यात्मिक मानचित्र पर और सुदृढ़ किया। मंदिर न्यास के अनुसार, दिसंबर 2021 से जून 2025 तक 26.23 करोड़ श्रद्धालु बाबा के दरबार में शीश नवां चुके हैं। जबकि मंदिर की आय भी 2017 से 18 के 22 से 23 करोड़ से बढ़कर 2023 से 25 में 100 करोड़ के पार तक पहुंच चुकी है। हाल ही में भक्तों द्वारा अर्पित 32 किलो स्वर्ण से गर्भगृह और भी स्वर्णिम हो उठा है।

भारत के हृदय प्रदेश को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने वाला संकल्प पत्र

(डॉ. राघवेंद्र शर्मा -विभूति फीचर्स)

भारत का केंद्रीय बजट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं होता, बल्कि यह देश के विकास की दिशा निर्धारित करने वाला एक विजन दस्तावेज होता है। जब हम इस वर्ष के बजट का विश्लेषण मध्य प्रदेश के संदर्भ में करते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि 'भारत के हृदय प्रदेश' को मुख्यधारा के विकास से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार ने एक सुविचारित खाका तैयार किया है। यह बजट मध्य प्रदेश की विविध भौगोलिक और आर्थिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बनाया गया प्रतीत होता है, जिसमें कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था से लेकर औद्योगिक क्रांति और बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण तक हर पहलू पर जोर दिया गया है। मध्य प्रदेश, जो पिछले कुछ वर्षों से बीमारू राज्य की छवि को पीछे छोड़कर विकासशील राज्यों की श्रेणी में अग्रणी रहा है, उसके लिए यह बजट एक उत्प्रेरक का कार्य करेगा। विशेष रूप से कृषि के क्षेत्र में, जो मध्य प्रदेश की रीढ़ है, बजट ने नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। केंद्र ने आधुनिक कृषि तकनीक, प्राकृतिक खेती और भंडारण सुविधाओं के लिए जो आवंटन किया है, उसका सीधा लाभ प्रदेश के उन करोड़ों किसानों को मिलेगा जो गेहूं और सोयाबीन उत्पादन में देश का नेतृत्व कर रहे हैं। सिंचाई परियोजनाओं, विशेष रूप से केन-बेतवा लिंक परियोजना जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं के लिए निरंतर समर्थन न केवल बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों की तस्वीर बदलेगा, बल्कि राज्य की कृषि विकास दर को नए आयाम प्रदान करेगा।

उद्योगों के मामले में मध्य प्रदेश अपनी रणनीतिक स्थिति का लाभ उठाने के लिए तैयार है। बजट में औद्योगिक गलियारों और एमएसएमई क्षेत्र के लिए घोषित रियायतों ने राज्य में निवेश के नए वातावरण का सृजन किया है। इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर जैसे शहरों के आसपास औद्योगिक क्लस्टर विकसित करने की केंद्र की योजना से स्थानीय व्यापार को वैश्विक पहचान मिलेगी। उद्योगों को मिलने वाली यह गति सीधे तौर पर रोजगार सृजन से जुड़ी है। नई नौकरियों की तलाश में जुटे युवाओं के लिए बजट में कौशल विकास योजनाओं और इंटर्नशिप कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह निवेश केवल सरकारी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि निजी क्षेत्र में भी रोजगार के लाखों अवसर पैदा करने की क्षमता रखता है। स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने के लिए करों में छूट और पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के प्रावधान मध्य प्रदेश के उभरते उद्यमियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। रोजगार के ये नए अवसर न केवल पलायन को रोकेंगे, बल्कि युवाओं को उनके गृह प्रदेश में ही अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करेंगे।

बुनियादी ढांचे की बात करें तो रेलवे और सड़क परिवहन के क्षेत्र में मध्य प्रदेश को मिला आवंटन ऐतिहासिक है। रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार से राज्य के दूरदराज के इलाके भी अब मुख्य रेल नेटवर्क से सुगमता से जुड़ सकेंगे। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत प्रदेश के दर्जनों स्टेशनों का पुनर्विकास उन्हें विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस करेगा। इसके साथ ही नई रेल लाइनों का बिछाया जाना और रेल मार्गों का विद्युतीकरण न केवल यात्रा को सुगम बनाएगा, बल्कि माल ढुलाई की लागत कम करके व्यापार को भी मजबूती प्रदान करेगा। सड़कों, राजमार्गों, ओवरब्रिज और फ्लाईओवर्स का जाल बिछाने की केंद्र की प्रतिबद्धता मध्य प्रदेश के शहरों और गांवों के बीच की दूरी को कम कर रही है। राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार और राज्य के भीतर नए कॉरिडोर का निर्माण माल के परिवहन को तेज करेगा, जिससे प्रत्यक्ष रूप से अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। शहरों में ट्रैफिक के दबाव को कम करने के लिए प्रस्तावित फ्लाईओवर्स और ओवरब्रिज शहरी जीवन की गुणवत्ता में सुधार करेंगे और समय की बचत के साथ-साथ ईंधन की खपत को भी कम करेंगे।

बजट का एक अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण हिस्सा महिलाओं के स्वावलंबन और बालिकाओं के कल्याण के प्रति समर्पित है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 'लखपति दीदी' जैसी योजनाओं को विस्तार देना मध्य प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला कदम है। जब महिला आर्थिक रूप से स्वतंत्र होती है, तो पूरा परिवार और समाज प्रगति करता है। इसके साथ ही, बालिकाओं की निजता और सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना समाज की एक बड़ी आवश्यकता को संबोधित करता है। स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर बालिकाओं के लिए अलग और सुरक्षित बुनियादी सुविधाओं का निर्माण, उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, और डिजिटल सुरक्षा जैसे पहलुओं को बजट के माध्यम से मजबूती दी गई है। यह संवेदनशीलता दर्शाती है कि सरकार केवल आर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक मूल्यों और सुरक्षा के मानकों को भी ऊंचा उठाना चाहती है। बालिकाओं की निजता का सम्मान और उनकी गरिमा की रक्षा के लिए किए गए बजटीय प्रावधान मध्य प्रदेश के भविष्य को सुरक्षित और उज्जवल बनाने की दिशा में एक बड़ा निवेश है। कुल मिलाकर, यह बजट मध्य प्रदेश की प्रगति के लिए एक व्यापक रोडमैप प्रस्तुत करता है। इसमें जहां एक ओर बड़े उद्योगों के लिए स्थान है, वहीं दूसरी ओर सबसे छोटे किसान और घरेलू कामकाजी महिलाओं की जरूरतों का भी सम्मान है। केंद्र और राज्य सरकार के बीच 'डबल इंजन' के समन्वय से यह बजट जमीन पर उतरने के लिए तैयार है। जब सड़कों का जाल बिछेगा, खेतों तक पानी पहुंचेगा, युवाओं के हाथ में काम होगा और महिलाएं स्वावलंबी होंगी, तभी मध्य प्रदेश सही मायने में विकसित भारत का एक मजबूत स्तंभ बनेगा। बजट के ये सकारात्मक प्रभाव आने वाले वर्षों में राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, जीवन स्तर में सुधार और सामाजिक समरसता के रूप में स्पष्ट रूप से दिखाई देंगे।

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि केंद्रीय बजट ने मध्य प्रदेश को विकास की एक ऐसी पटरी पर खड़ा कर दिया है, जहां से आत्मनिर्भरता और समृद्धि की मंजिल अब अधिक दूर नहीं लगती। यह बजट केवल वित्तीय आवंटन का पत्र नहीं, बल्कि सात करोड़ प्रदेशवासियों की आकांक्षाओं को पंख देने वाला एक संकल्प पत्र है जो आने वाले समय में मध्य प्रदेश की स्वर्णिम गाथा लिखेगा।

सोनालीका ने लॉन्च की नई गोल्ड सीरीज

पटना। सोनालीका ने किसानों के भरोसे के 30 गौरवशाली वर्षों का जश्न मनाते हुए लॉन्च की बिल्कुल नई 'गोल्ड सीरीज, जो ब्रांड की मूल सोच ₹जब किसान आगे बढ़ता है, देश आगे बढ़ता है का सशक्त प्रतीक है। सोनालीका की ओर से पेश की गई बिल्कुल नई सोनालीका 'गोल्ड सीरीज' एक प्रभावशाली कदम है जिसमें कंपनी ने दो नए फ्लैगशिप ट्रैक्टर - गोल्ड डीआई 745 और गोल्ड डीआई 55 लॉन्च किए हैं। यह नई ट्रैक्टर सीरीज उन्नत इंजीनियरिंग और बेहतर प्रदर्शन का मिश्रण है, जो उद्योग मानकों को नई ऊंचाई देते हुए किसानों को आज के लिए आत्मविश्वास और भविष्य के लिए आश्वासन प्रदान करती है। नया गोल्ड गोल्ड डीआई 745 ट्रैक्टर इस श्रेणी के सबसे बड़े और नए 3 सिलेंडर ई3.5 इंजन द्वारा संचालित है, जो 3532 सीसी क्षमता और 220 एनएम का अधिकतम टॉर्क प्रदान करता है, इसमें एक नया 16एफ प्लस 4आर मल्टी-स्पीड ट्रांसमिशन भी है जो अलग-अलग उपयोगों में बेहतर दक्षता के साथ सुचारू दम सुनिश्चित करता है। इसके साथ ही, नए गोल्ड डीआई 55 ट्रैक्टर में सबसे बड़ा नया ई3.5 इंजन और डबल क्लच इप्टो के साथ 12एफ प्लस 3आर मल्टी-स्पीड ड्राइवलाइन दी गई है, जो चुनौतीपूर्ण कार्यों में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 235 एनएम का अधिकतम टॉर्क प्रदान करता है।

भिवंडी के गोविंद नगर में शुरू हुआ नागरिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर का किया गया शुभारंभ

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी महानगरपालिका के वैद्यकीय आरोग्य विभाग की ओर से गोविंद नगर क्षेत्र में नागरिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर का शुभारंभ किया गया है। इस स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से स्थानीय नागरिकों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं, आवश्यक जांच तथा विभिन्न रोगों के उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। भिवंडी महानगरपालिका के प्रशासक तथा आयुक्त अनमोल सागर और वैद्यकीय आरोग्य विभाग, भिवंडी महानगरपालिका की ओर से गोविंद नगर एवं आसपास के परिसर के सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस नागरिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर में उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, प्रभावी और जनहितकारी बनाने के उद्देश्य से यह सुविधा शुरू की गई है। महानगरपालिका प्रशासन ने नागरिकों से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और इस केंद्र का भरपूर उपयोग करने का भी आग्रह किया है।

पालघर में 10 से 23 फरवरी तक चलाया जायेगा हाथी रोग उन्मूलन विशेष अभियान

पालघर(उत्तरशक्ति)। हाथी रोग (फाइलेरिया) के प्रसार पर पूरी तरह रोक लगाकर जिले को रोगमुक्त बनाने के उद्देश्य से पालघर जिले में 10 से 23 फरवरी 2026 के दौरान हाथी रोग उन्मूलन की विशेष मुहिम चलाई जायेगी। इस अभियान के तहत पात्र नागरिकों को हाथी रोग रोधी दवाइयाँ दी जायेंगी, जिनका सेवन स्वास्थ्य कर्मियों की निगरानी में करना अनिवार्य होगा।

इस संबंध में आयोजित पत्रकार परिषद में जिला मलेरिया अधिकारी अश्विनी राव व अतिरिक्त जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंखे ने अभियान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले अभियान के दौरान कुछ क्षेत्रों में लोगों द्वारा दवा सेवन नहीं करने के कारण जिले में 12 नये हाथी रोग के मरीज पाये गये हैं। इनमें डहाणू तहसील के पटेलपाड़ा में 4, तलासरी तहसील के काजली में 5, वाणगांव कोमपाड़ा में 1, सूत्रकार में 1 तथा आशाआगड में 1 मरीज शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि अक्टूबर 2025 में रात के समय किये गये नाइट ब्लड सर्वे के तहत 2400 रक्त नमूनों की जांच की गई थी, जिसमें ये मरीज सामने आये। सभी संक्रमितों का तत्काल उपचार शुरू कर दिया गया है। इसी के मद्देनजर तलासरी, विक्रमगड, डहाणू नगर परिषद क्षेत्र तथा ग्रामीण इलाकों में हाथी रोग उन्मूलन अभियान की दूसरी फेरी प्रभावी ढंग से चलाई जायेगी। वहीं सासवंड क्षेत्र में दवा सेवन का प्रतिशत केवल 76% पाये जाने के कारण इसे ह्यहाई रिस्क एरियाह्न घोषित कर विशेष निगरानी रखी जायेगी। इसके अलावा बुलेट ट्रेन परियोजना व बड़ौदा हाईवे परियोजना में कार्यरत सभी कर्मचारियों को भी हाथी रोग रोधी दवाइयों का सेवन कराया जायेगा। यह अभियान आशा सेविकाओं, एमपीडब्ल्यू, स्वास्थ्य सहायकों तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के माध्यम से संचालित होगा। स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी दी कि वर्ष 2025 में अभियान की पहली फेरी के दौरान 40 नये मरीज मिले थे, जिन्हें 12 दिनों का पूर्ण उपचार दिया गया। जिले में फिलहाल पुराने और नये मिलाकर कुल 630 हाथी रोग मरीज पंजीकृत हैं। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार का डर न रखें और स्वास्थ्य कर्मियों की मौजूदगी में दवाइयों का सेवन अवश्य करें, क्योंकि दवा न लेने पर भविष्य में गंभीर बीमारी का खतरा बढ़ सकता है। इस पत्रकार परिषद में डॉ. अजय ठाकरे, जिला मलेरिया कार्यालय के वैभव संखे सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड का मजबूत वित्तीय प्रदर्शन

मुंबई। स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड, जिसका पूर्व नाम स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड था, ने अपने वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही और नौ महीने के परिणाम घोषित किए, जो कंपनी की स्टेटेजिक ग्रोथ, फाइनेंसियल ग्रोथ और लांग टर्म वैल्यू क्रिएशन को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2026 के नौ महीनों में स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया। इस अवधि में कंपनी की कुल आय 562 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 23.6% की वृद्धि को दर्शाती है। एबिटडा 102 करोड़ रुपये रहा, जिसमें वर्ष-दर-वर्ष 11.9% की बढ़ोतरी दर्ज की गई और एबिटडा मार्जिन 18.2% रहा। प्रॉफिट बिफोर टैक्स (पीबीटी) 83 करोड़ रुपये रहा, जो 15.9% की वृद्धि को दर्शाता है, जबकि प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (पैट) 62 करोड़ रुपये रहा, जिसमें 18.8% की बढ़ोतरी हुई और पैट मार्जिन 11.0% दर्ज किया गया। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में कंपनी ने उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। इस तिमाही के दौरान कुल आय 196 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37.1% अधिक है। एबिटडा 34 करोड़ रुपये रहा, जिसमें 17.0% की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि हुई और एबिटडा मार्जिन 17.1% रहा। प्रॉफिट बिफोर टैक्स (पीबीटी) 27 करोड़ रुपये रहा, जो 22.7% की वृद्धि को दर्शाता है, जबकि प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (पैट) 20 करोड़ रुपये रहा, जिसमें 28.3% की बढ़ोतरी दर्ज की गई और पैट मार्जिन 10.4% रहा।

अक्षय कुमार और करिश्मा कपूर ने व्हील ऑफ फॉर्च्यून पर दिल तो पागल है का जादू फिर से बिखेरा

मुंबई/पटना। व्हील ऑफ फॉर्च्यून का आने वाला एपिसोड एक शानदार विजुअल ट्रीट देने वाला है, क्योंकि इसमें पुरानी यादें ताजा होंगी। अक्षय कुमार और करिश्मा कपूर ने सेट पर एक प्यारा, यादगार पल शेयर किया, अपनी 1997 की कल्ट क्लासिक फिल्म दिल तो पागल है को याद किया और उस विरासत का जश्न मनाया जो दशकों से चली आ रही है। मौनी रॉय ने मजाकिया अंदाज में एक ऐसी दुनिया की कल्पना की जहाँ अक्षय और करिश्मा के किरदार अजय और निशा एक साथ होते, जिस पर अक्षय ने मुस्कुराते हुए मजाक में कहा, निशा तो राहुल के पास चली गई। इस मजाकिया बातचीत ने तुरंत माहौल बना दिया, और पुरानी यादें ताजा हो गईं जब इस मशहूर जोड़ी ने दिल तो पागल है टाइटल ट्रैक पर अचानक परफॉर्मेंस देकर अपनी जबरदस्त केमिस्ट्री को फिर से दिखाया, जिससे जोरदार तालियाँ बजीं और सभी को याद दिलाया कि उनका जादू आज भी क्यों लोगों को दीवाना बनाता है।

योजनाओं की जानकारी देने वाली डायरी का विमोचन, कृषि योजनाओं के स्टिकर-पोस्टर जारी

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर के कृषि विभाग द्वारा मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायतराज अभियान के अंतर्गत जिला परिषद के सभी विभागों की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने वाली विशेष डायरी का विमोचन किया गया। यह विमोचन गुरुवार 5 फरवरी 2026 को जिला परिषद द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं जिला स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान संपन्न हुआ।

इस मौके पर कृषि विभाग की प्रमुख योजनाओं में बिरसा मुंडा कृषि क्रांति योजना, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर कृषि स्वावलंबन योजना तथा जिला परिषद सेस फंड कृषि योजना की जानकारी देने वाले स्टिकर और पोस्टरों का भी अनावरण किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने की। प्रस्तावना में कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी ने बताया कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी के मार्गदर्शन में तैयार की गई इस डायरी के प्रत्येक पृष्ठ पर जिला परिषद के किसी न किसी एक विभाग की योजना को सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया है। यह डायरी अधिकारी-कर्मचारियों, ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगी। साथ ही स्टिकर-पोस्टर के माध्यम से कृषि विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी सीधे किसानों तक पहुँचाने का उद्देश्य है।

कार्यक्रम के दौरान जिला परिषद द्वारा आयोजित जिला स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय

सांस्कृतिक व खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया गया सम्मानित

स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को ट्रॉफी व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तहसील व जिला स्तर के अधिकारी एवं कर्मचारियों को भी प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायतराज अभियान के माध्यम से जिला परिषद के सभी विभागों की योजनाओं को एकीकृत रूप से नागरिकों तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस दृष्टि से प्रकाशित की गई डायरी तथा कृषि विभाग द्वारा तैयार किये गये सूचना-आधारित स्टिकर व पोस्टर अत्यंत उपयोगी एवं प्रभावी माध्यम साबित होंगे। साथ ही सांस्कृतिक एवं खेल प्रतियोगिता कार्यक्रम से अधिकारियों-कर्मचारियों में टीम भावना, अनुशासन एवं सकारात्मक कार्य करने की संस्कृति का विकास होता है। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीक मसालत, (सा.) उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी अशोक पाटील, जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर, जिला पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर तथा कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

शिव सेना शिंदे में प्रवक्ता की नियुक्ति हुई

मुंबई(उत्तरशक्ति)। शिवसेना शिंदे की पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष व मुम्बई अध्यक्ष उत्तर भारतीय सेल जय प्रकाश सिंह ने वरिष्ठ पत्रकार व समाज सेवक ओमप्रकाश तिवारी को उत्तर पश्चिम जिला का प्रवक्ता पद पर नियुक्ति की गई ।ओमप्रकाश तिवारी पिछले 43 वर्षों से मुंबई में पत्रकार रहते हुए समाज सेवा का अच्छा अनुभव है और समाज में पत्रकार के साथ लोगों का मिलना जुलना सामाजिक गतिविधियों को उजागर करना उनके हित की बात करना इन सभी विषय में उत्कृष्ट अनुभव को देखते हुए नियुक्ति की गई।महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मुंबई के प्रभारी अनिल शुक्ला, मुम्बई उपाध्यक्ष संतोष सिंह, किरण चौहान सचिव, पालघर जिला उत्तर भारतीय सेल कि मौजूदगी में वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश तिवारी को जिला प्रवक्ता पद पर नियुक्ति की गई। सिंह ने बताया कि इस नियुक्ति से उत्तर भारतीय समाज को को हर प्रकार की मदद, मिलेगी ,जिसमें उत्तर भारतीय समाज के लोगों को विभिन्न कार्य को सफल बनाने में सही दिशा मिलेगी । इस अवसर पर जिला सचिव पद पर इमरान शेख व महिला बिल्किस सिकंदर को सह सचिव बनाया गया।

रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर ने चिन्मया विद्यालय में बच्चों के विकास एवं पोषण पर कार्यशाला का किया आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के उद्योग नगरी बोईसर शहर पश्चिम में स्थित ज्ञान का मंदिर, चिन्मया विद्यालय में शुक्रवार 6 फरवरी 2026 को बच्चों का विकास एवं पोषण विषय पर महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन इंटरेक्ट क्लब ऑफ चिन्मया द्वारा प्राचार्य डिंपल मिस्त्री व कॉर्डिनेटर रश्मी मैडम के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत मान्यवरों का पुष्पगुच्छ से स्वागत करते की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रोटेरियन व डायटिशियन डॉ. रत्ना सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों को सही पोषण मिलना बहुत जरूरी है ताकि वे शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ और मजबूत बन सकें। उन्होंने बच्चों के विकास एवं पोषण के महत्व पर विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए कहा कि बच्चों के पोषण के लिए हमें उन्हें संतुलित आहार देना चाहिए जिसमें फल, सब्जियां, अनाज, दालें और दूध शामिल हों। वहीं उन्होंने जंक फूड से दूर रहने की सलाह दी। इस मौके पर रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के यूथ डायरेक्टर डॉ. पराग कुलकर्णी तथा प्राचार्य डिंपल मिस्त्री ने अपने संबोधन के दौरान बच्चों को सही पोषण देकर उन्हें स्वस्थ और मजबूत बनाने की सलाह दी। इस दौरान उन्होंने आवश्यक विटामिन, मिनरल, प्रोटीन और ऊर्जा जिन चीजों में मिलती हैं, उनके सेवन की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि बच्चों का विकास एवं पोषण एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है, इसलिए इस विषय पर चर्चा करना बहुत जरूरी है।रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के प्रेसिडेंट राम नारायण गोयल ने अपने संबोधन के दौरान विश्वास दिलाते हुए कहा कि रोटरी क्लब आगे भविष्य में भी इस प्रकार के पोषण व स्वास्थ्य संबंधित जनोपयोगी कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। कार्यक्रम का सूत्र संचालन इंटरेक्ट क्लब ऑफ चिन्मया विद्यालय के विद्यार्थियों ने कुशलता पूर्वक किया तथा प्रिंसिपल डिम्पल मिस्त्री ने सभी आगंतुक अतिथियों व वक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। अतिथियों के अल्पाहार के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यशाला में रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर की ओर से प्रेसिडेंट राम नारायण गोयल, यूथ डायरेक्टर डॉ पराग कुलकर्णी, प्रेसिडेंट इलेक्ट (2026-27) डॉ प्रवीण वैश्य, रोटेरियन स्मिता जाधव व रोटेरियन रत्ना सिंह की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। वहीं विद्यालय की ओर से शिक्षक, शिक्षिकाओं के अलावा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उपस्थिति दर्ज कराई।

सीमा सिंह ने अनोखे ढंग से मनाया वैलेंटाइन डे, उपहार देकर जीता कारीगरों का दिल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। फरवरी प्रेम का महीना है। वैलेंटाइन डे मनाने और प्रेम को याद करने का समय, जो हमारे जीवन में प्रेम के महत्व को दशार्ता है। अक्सर हम प्रेम और दुःख के बीच के गहरे संबंध को नहीं समझ पाते। देश की प्रख्यात समाजसेवी सीमा सिंह ने खार पश्चिम के 14वां रोड स्थित अपनी शॉप सीमा सिंह कलेक्शन में वैलेंटाइन डे को बहुत अनोखे ढंग से मनाया। फैशन की दुनिया में उन्होंने डेनिम कलेक्शन को लांच किया , जिसका नाम उन्होंने डेनिम अफेयर रखा। इस कलेक्शन के अंतर्गत उन्होंने आधुनिक कपड़ों को भी नए तरीके से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उन्होंने जो साड़ी पहन रखी थी, उसमें भी एक अलग तरीके की झलक साफ नजर

आ रही थी। सबसे खास बात यह रही कि सीमा सिंह ने कपड़ा सिलनेवाले कारीगरों और डिजाइनिंग करने वाली टीम को न सिर्फ उपहार देकर उनके चेहरों पर मुस्कान लाई अपितु उनके साथ इस त्यौहार को भी सेलिब्रेट किया। सीमा सिंह ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया और उनके समर्पित कार्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अथक परिश्रम कर नित नवीन कपड़ों को प्रस्तुत करने वाले कारीगरों को सम्मान और प्यार दिया जाना आवश्यक है। इस अवसर पर उपस्थित फिल्म अभिनेता अर्जुन कपूर ने उनके ड्रेस कलेक्शन की सराहना करते हुए कहा कि सीमा सिंह नई सोच और नए सपनों के साथ फैशन कपड़ों को प्रस्तुत करती हैं। सीमा सिंह ने उन्हें अपने फैशन डिजाइन शोरूम में बनाए जा रहे कलेक्शन कपड़ों का एक डिजाइन बुक भेंट किया। ज्ञातव्य है कि सीमा सिंह अपनी आय का एक बड़ा भाग समाज सेवा के क्षेत्र में खर्च करती हैं। खासकर बच्चों के लिए उनके द्वारा किए गए कार्यक्रमों की हमेशा सराहना की जाती रही है।

आदिवासी गांवों में सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं को मुहैया कराने की माँग

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश जहां २१ वी सदी में पहुंच चुका है। वहीं मुंबई, थाने, पालघर के अनेक आदिवासी इलाकों में आज भी सड़क से लेकर अन्य बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। जिसके कारण आदिवासी पारधी महासंघ मुंबई और नवी मुंबई के अध्यक्ष सन्तोष एकनाथ पवार ने आदिवासी विभाग के मंत्री से आदिवासी इलाकों में बुनियादी सुविधाओं को मुहैया कराने की माँग की है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में आदिवासी पारधी महासंघ मुंबई और नवी मुंबई के अध्यक्ष सन्तोष एकनाथ पवार ने बताया की पालघर जिले के जव्हार तालुका में सड़क न होने के कारण समय पर इलाज नहीं मिल पाने से एक 18 वर्षीय युवक की मौत दो दिन पूर्व हो गई।

संतोष एकनाथ जी के अनुसार जव्हार-मोखाडा क्षेत्र के दुर्गम आदिवासी गांवों में आज भी बुनियादी सुविधाओं की कमी है। उन्होंने बताया कि जव्हार तालुका के तिलोंडा (आंबेपाड़ा) स्थित एक दुर्गम आदिवासी गांव में रहने वाले शैलेश मगन वागदड़ा की तबीयत अचानक गंभीर हो गई थी। पर गांव तक पक्की सड़क न होने के कारण एंबुलेंस वहां नहीं पहुंच सकी। इलाज के लिए कोई विकल्प न होने पर ग्रामीणों ने पारंपरिक 'डोली' तैयार की और युवक को अस्पताल ले जाने का फैसला किया। ग्रामीणों ने शैलेश को डोली में लिटाकर करीब साढ़े तीन से चार किलोमीटर दूर चांभारशेत स्थित स्वास्थ्य केंद्र ले जाने की कोशिश की। रास्ता घने जंगलों, पहाड़ी चढ़ाई और फिसलन भरे कच्चे रास्तों से होकर गुजरता है। तेज धूप और दुर्गम हालात के बीच यह सफर बेहद कठिन था। इलाज में लगातार हो रही देरी के कारण शैलेश की हालत और बिगड़ती चली गई। अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। संतोष एकनाथ पवार के अनुसार महाराष्ट्र में आज भी आदिवासी इलाकों में बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है। जिसके कारण यहाँ के लोगों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। संतोष एकनाथ पवार ने राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, आदिवासी विभाग के मंत्री से थाने, नवी मुंबई और मानखुर्द में पुलों और सड़कों के किनारे रहने वाले आदिवासी, पारधी समाज के लोगों का पुनर्वसन करने की भी मांग की है।

पुस्तकालय केवल पढने का केन्द्र नहीं होता बल्कि संवाद, चिंतन और विचार प्रक्रिया को समृद्ध का केन्द्र होता है : अनमोल सागर

भिवंडी(उत्तरशक्ति)। पुस्तकालय केवल अध्ययन का केंद्र नहीं होता, बल्कि यह संवाद, चिंतन और विचारों को समृद्ध करने वाला महत्वपूर्ण मंच होता है। ऐसे सुसज्जित पुस्तकालय का सीधा लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा। बी.एन.एन. महाविद्यालय में प्रस्तावित नई पुस्तकालय इमारत भिवंडी शहर का सबसे बड़ा पुस्तकालय बनेगी, यह प्रतिपादन भिवंडी महानगरपालिका आयुक्त अनमोल सागर ने किया। वे पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नति मंडल द्वारा संचालित बी.एन.एन. महाविद्यालय की नई पुस्तकालय इमारत के भूमिपूजन समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में बोल रहे थे। कार्यक्रम संस्था के अध्यक्ष डा. विजय जाधव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर संस्था के कार्याध्यक्ष बालकृष्ण काले, पदाधिकारी श्रीराम भोईर, आर. एन. पिंजारी, प्रभारी प्राचार्य डा. शशिकांत म्हालुंकर, सहायक आयुक्त सुरेंद्र भोईर, मंदार लेले, दुर्राज कामणकर, जियाद मोमिन, उपप्राचार्य डा. सुधीर निकम, डा. निनाद जाधव, डा.

सुरेश भदरगे, डा. कुलदीप राठौड, प्रबंधक नरेश शिरसाळे उपस्थित थे। साथ ही कनिष्ठ महाविद्यालय के उपप्राचार्य एम. ओ. महाले, पर्यवेक्षक श्रीकांत पाटील, डा. बाबासाहेब आंबेडकर विधि महाविद्यालय के प्राचार्य अजिंक्य कांबले, पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव विद्यालय के मुख्याध्यापक सुधीर घागस, मातोश्री उषाताई जाधव मैनेजमेंट एंड रिसर्च सेंटर के विजय वंजारे सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन विद्या धस ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन प्रभारी प्राचार्य डा. शशिकांत म्हालुंकर ने किया ।

भिवंडी मनपा द्वारा उत्साहपूर्वक मनाया गया आशा दिवस, उत्कृष्ट आशा सेविकाओं का किया गया भव्य सम्मान

आचार्य सूरजपाल यादव
भिवंडी (उत्तरशक्ति)। दिनांक 6 फरवरी 2026 को भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के मुख्य वैद्यकीय स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत स्व. राजय्या गाजेंगी हाल, कोंबडपाड़ा में बड़े उत्साह के साथ आशा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम माननीय प्रशासक तथा आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से.) की प्रमुख उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत गीत एवं दीप प्रज्वलन से की गई। इस अवसर पर आयुक्त अनमोल सागर ने आशा सेविकाओं द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। उन्होंने गर्भवती माताओं की देखभाल, टीकाकरण, कुपोषण उन्मूलन, परिवार नियोजन तथा शासन की विभिन्न योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में आशा सेविकाओं की भूमिका को अत्यंत सराहनीय बताया और उन्हें भविष्य में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य

करने वाली आशा सेविकाओं को सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार साधना डुंबरे (ईदगाह स्वास्थ्य केंद्र), द्वितीय पुरस्कार तबस्सुम मोमिन (गायत्रीनगर स्वास्थ्य केंद्र) एवं तृतीय पुरस्कार फैमिदा अंसारी (स्लॉटर हाउस स्वास्थ्य केंद्र) को प्रदान किया गया। इसके साथ ही कुल 19 स्वास्थ्य केंद्रों से चयनित एक-एक आशा सेविका को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे ने आशा सेविकाओं की चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने जनजागरूकता, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण एवं सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार में किए गए कार्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान आशा सेविकाओं द्वारा गायन एवं नृत्य जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए जिससे माहौल उत्साहपूर्ण हो गया। इस अवसर पर प्रशासक तथा आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से.), अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे, अतिरिक्त आयुक्त संदीप गाडेकर, मुख्य वैद्यकीय अधिकारी, श्रीमती वर्षा बारोड-चौधरी (आरसीएच अधिकारी), डा. बुशरा सैय्यद सहित चिकित्सा विभाग के अधिकारी व बड़ी संख्या में आशा सेविकाएं उपस्थित थीं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

वैवाहिक समारोह से लौट रहे बाइक सवार तीन युवक सड़क हादसे के शिकार, एक की मौत

रियाजुल हक

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के ठकठौलिया गांव निवासी युवक की शादी समारोह से लौटने के दौरान दुर्घटना में मौत हो गई। वहीं दो अन्य साथी घायल बताये जाते हैं।सरपतहा थाना क्षेत्र में गुरुवार की देर रात सदरुद्दीनपुर गांव स्थित ननिहाल में शादी समारोह में आए युवक घर वापसी के दौरान जहरुद्दीनपुर गांव के समीप सड़क हादसे में घायल हो गए। उपचार के दौरान एक युवक की मौत हो गई। जबकि दो अन्य युवकों का उपचार जारी है। घटना रात दो बजे के आसपास की बतायी जा रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई में जुटी रही।

कोतवाली क्षेत्र के उक्त गांव निवासी 32 वर्षीय विनोद कुमार पुत्र जवाहिर निषाद अपने ममेरी बहन की शादी में गुरुवार रात शामिल होने सदरुद्दीनपुर गांव निवासी हरिराम के यहां आया था। जयमाल के बाद वह घर जाने हेतु ममेरे भाई अमन और उसी गांव के सिकंदर को बाइक पर बैठाकर घर वापसी के लिए चल दिया। लखनऊ बलिया राजमार्ग पर जहरुद्दीनपुर के पास बाइक अनियंत्रित होकर खड़ी ट्रक में पीछे से टकरा गई। जिसमें तीनों युवक गंभीर रुप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राजकीय चिकित्सालय लाया। जिसमें विनोद और अमन गंभीर रुप से घायल बताए गए। वहीं सिकंदर को मामूली चोट आई। इलाज के दौरान विनोद ने दम तोड़ दिया। जबकि अमन का उपचार जारी है। इधर शादी की खुशी मातम में तब्दील हो गया। मृतक की पत्नी और दो बच्चों समेत पूरे परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में ले पोस्ट मार्टम हेतु भेज दिया। घटना के बाद चालक ट्रक समेत मौके से भाग निकला।

इनोवा और ट्रैक्टर की जोरदार भिड़ंत से 15 वर्षीय बालक की मृत्यु, एक दर्जन से अधिक घायल

◆ तीन की हालत गंभीर, किया गया रेफर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर थाना क्षेत्र के पूरामुकुंद मोड पर शुक्रवार की भोर में लगभग 3:30 बजे इनोवा कार रोड डिवाइडर तोड़कर ट्रैक्टर में भीड़ गई जिसमें सुजानगंज से वैवाहिक कार्यक्रम से बाजा बजाकर बैंड पार्टी के लोग अपने गंतव्य को आ रहे थे। जोरदार टक्कर से ट्रैक्टर ट्राली पलट गई जिससे ट्राली में सवार सक्षम गौतम 15 साल की मौके पर मौत हो गई।

वही इनोवा में सवार मनीष सीतापुर, संतोष लखनऊ,आशुतोष तिवारी गोंडा, रहमत अंबेडकर नगर गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख पुकार सुन कर स्थानीय लोगों की मदद से लोगों को बाहर निकाला गया। ग्रामीणों ने फोन कर डायल 108 एंबुलेंस बुलवाया सभी घायलों को जिला अस्पताल लाया गया। जहां पर बेहतर उपचार के लिए तीन गंभीर लोगों को वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। बदलापुर पुलिस ने इनोवा और ट्रैक्टर को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई कर रही है। सक्षम की लाश को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

लखमापुर में वोटर लिस्ट विवाद ने पकड़ा तूल

भाजपा बूथ अध्यक्ष पर दबाव का आरोपझसपा ने की शिकायत

आफताब आलम

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति) विकास खण्ड सोंधी अंतर्गत लखमापुर गांव में मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नाम काटे जाने को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। भाजपा के एक बूथ अध्यक्ष पर आरोप है कि उन्होंने बीएलओ पर दबाव बनाकर 218 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटवाए। यह मामला इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद चर्चा का विषय बन गया है। मतदाता अल्पसंख्यक और पिछडे वर्ग के बताए जा रहे है। बताया जा रहा है कि उक्त गांव के बूथ संख्या 176 और 177 पर बीएलओ माधुरी यादव पर भाजपा बूथ अध्यक्ष द्वारा मतदाताओं के नाम मृतक और अनुपस्थित दिखाकर सूची से काटने का दबाव बनाया गया।

हालांकि बीएलओ माधुरी यादव ने साफ किया है कि भाजपा बूथ अध्यक्ष द्वारा सौंपे गए किसी भी फॉर्म पर उन्होंने हस्ताक्षर नहीं किए हैं और वह इस प्रक्रिया से सहमत नहीं हैं।इस प्रकरण को समाजवादी पार्टी के सदर विधानसभा अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) इंद्रनंदन सिंह के संज्ञान में लाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। उधर सपा जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य ने आरोप लगाया कि यह सब एक सोची-समझी साजिश के तहत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जाफराबाद, शाहगंज और सदर विधानसभा क्षेत्रों में भी मतदाताओं को अन्य कारणों को दिखाकर नाम हटाए जा रहे हैं।

इस गंभीर मामले को जिला निर्वाचन अधिकारी के संज्ञान में लाकर चुनाव आयोग से शिकायत की जाएगी. जिला अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास कर रही है।

परमानंन्द झा, उपजिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मामला मेरे संज्ञान में अभी नही आया है। प्रकरण को एईआरओ से जाँच करवाकर उचित कार्रवाई की जाएगी। किसी भी मतदाता का नाम जांच पड़ताल के बाद ही नियमानुसार काटा जाता है।

विप्र समाज ने किया मनोज बाजपेयी का विरोध

◆ घूसखोर पंडत फिल्म का विप्र समाज ने किया विरोध

◆ मनोज बाजपेयी स्वाहा, घूसखोर पंडत फिल्म स्वाहा

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में सनातन धर्म के सभी सोलह संस्कारों में ब्राह्मण (पंडित) की आवश्यकता होती है। पंडित इन सभी को अपने आशीर्वाद व मेहनत से सकुशल पूर्ण कराता है। देश का राष्ट्रपति हो या चाहे प्रधानमंत्री सभी ब्राह्मण (पंडित) समाज का सदैव सम्मान करते आए हैं। किन्तु आज देश का एक ऐसा अभिनेता जो खुद ब्राह्मण कुल में जन्म लिया हो और वही अपने समाज को गाली दे, तो इस प्रकार का कृत्य सर्वदा निंदनीय है। उक्त बातें शुक्रवार को अहिल्याबाई घाट पर विप्र समाज काशी के अध्यक्ष डा.पवन शुक्ला ने कही। उन्होंने कहा कि इधर कई महीनों से ब्राह्मण समाज को लज्जित करने का कार्य किसी न किसी प्रकार से समाज में किया जा रहा है जो काफी कष्टदायक है। मौका था विप्र समाज द्वारा प्रख्यात कलाकर मनोज बाजपेयी अभिनीत *घूसखोर पंडत* फिल्म का विरोध। इन्होंने कहा कि वसुधैव कुटुंबकम की भावना से पूरा भारत देश चलता है। पूरी वसुधा हमारा परिवार है। किन्तु आज इस भावना का ह्रास होते दिख रहा है।

मनोज बाजपेयी का स्वाहा होगा: पंडित कभी किसी का अहित नहीं चाहता। परन्तु समाज की उपेक्षा कभी स्वीकार्य

नहीं होगा। अतः उक्त फिल्म का नाम अथवा इसे बैन नहीं किया गया तो मनोज बाजपेयी व इस फिल्म के निर्माण से जुड़े सभी लोगों के नाश के लिए गंगा तट पर एक बड़ा यज्ञ किया जाएगा और उसमें सभी के विनाश के लिए स्वाहा कर आहुति दी जाएगी। इसी क्रम में वाराणसी के अहिल्याबाई घाट पर काशी के विप्र समाज के अध्यक्ष डॉ पवन कुमार शुक्ला के नेतृत्व में काफी संख्या में संस्कृत के बटुक,ब्राह्मण और पंडितों ने घूसखोर पंडित का पुरजोर विरोध किया। इस दौरान 'मनोज बाजपेयी मुदार्बाद' ब्राह्मणों का ये अपमान-नहीं सहेगा हिंदुस्तान, घूसखोर पंडत फिल्म को बन्द करो व जयतु भारतम्-जयतु संस्कृतम् के नारे लगाते रहे। अन्य लोगों में विशाल औढेकर, संजय उपाध्याय व बृजेश शुक्ला सहित काफी संख्या में स्थानीय नागरिक भी शामिल थे जो फिल्म का विरोध करते देखे गए।

मदरसा अरबिया ज़ियाउल उलूम में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

मेधावी छात्रों को पुरस्कार और नगद इनाम से किया गया सम्मानित

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोंधी अंतर्गत कस्बा मानीकलां में स्थित मदरसा अरबिया ज़ियाउल उलूम (मीनार मस्जिद) में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इस अवसर पर मेधावी छात्रों को पुरस्कार और नगद इनाम देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मदरसे के प्रधानाचार्य मौलाना मोहम्मद जाहिद ने शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्राप्त करना हर पुरुष और महिला के लिए आवश्यक है, क्योंकि बिना ज्ञान के इंसान और जानवर में कोई अंतर नहीं है। मौलाना ने अभिभावकों से अपने बच्चों, विशेषकर बेटियों को अच्छी शिक्षा देने का आग्रह किया।

इसके बाद, प्रधानाचार्य मौलाना मोहम्मद जाहिद ने प्रत्येक कक्षा में शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। प्राइमरी (कक्षा पाँच तक) में 21 बच्चों को, हिफ़्ज में तीन बच्चों को, अरबी (लड़कों के वर्ग) में सात बच्चों को और अरबी (लड़कियों के वर्ग) में छह बच्चियों को पुरस्कृत किया गया। पूरे वर्ष सर्वाधिक उपस्थिति वाले छात्रों को भी विशेष पुरस्कार दिए गए।

पूरे मदरसे में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों में उस्मान रेहान मानीकलां को प्रथम पुरस्कार के रूप में साइकिल प्रदान की गई। द्वितीय स्थान पर रहीं ज़िकरा तबरेज जौनपुर को सिलाई मशीन और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली जोवेरिया अफजल मानीकलां को मिक्सर ग्राइंडर से सम्मानित किया गया। इन प्रमुख पुरस्कारों के अतिरिक्त, कई अन्य बच्चों को नगद इनाम भी दिए गए।

कार्यक्रम का संचालन मदरसे के शिक्षक मुफ्ती फखरूददीन कासिमी ने किया। मौलाना शहाबुद्दीन ने उपस्थित मेहमानों का मिठाई खिलाकर स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में देश और दुनिया में अमन-शांति के लिए दुआ मांगी गई। इस अवसर पर मुफ्ती हदीश कासमी, मुफ्ती फकरुद्दीन कासिमी, मोहम्मद शाकिर कासमी, मौलाना शाहिद कासमी सहित कई गणमान्य व्यक्ति और छात्रों के अभिभावक उपस्थित रहे।

समाज के हर वर्ग के कल्याण के साथ विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला है बजट: एके शर्मा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी जौनपुर के प्रभारी मंत्री ए के शर्मा ने बजट पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में आए हुए पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि एक कर्तव्यनिष्ठ प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में कर्तव्य भवन से बना, कर्तव्य पथ पर चलने के संकल्प का बजट है, इसके लिए यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ जिस प्रकार वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने लगातार नौवीं बार देश का बजट प्रस्तुत किया है, वह भारत सरकार की ढङ्ग्ूंॅ८ रं४२३ल्लु्रॅ३८ और सुशासन का स्पष्ट प्रतीक है। माननीय प्रधानमंत्री जी पर जनता का जो अटूट विश्वास है, उसे यह बजट पूरी तरह प्रतिबिंबित करता है माननीय प्रधानमंत्री जी का ह्लसबका साथ, सबका विकास का मूल मंत्र इस बजट के हर आयाम में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

इन्होंने आगे कहा कि विकसित भारत 2047 के निर्माण का जो सपना माननीय प्रधानमंत्री जी ने देखा है, उसकी दिशा में संकल्प से सिद्धि की ओर बढ़ने वाला बजट है वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था जिस प्रकार से लगातार लगभग 7 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ रही है, यह दशार्ता है कि हमने अपने जीडीपी को निरंतर मजबूत किया है और महंगाई को भी नियंत्रण में रखा है। यह इस बात का प्रमाण है कि इस बजट में गहराई है, सभी को साथ लेकर चलने का विश्वास है जिसमें शिक्षा व इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े प्रोजेक्ट्स को और प्राथमिकता दी गई है।

विकसित भारत का यह बजट युवा शक्ति से प्रेरित बजट है। इसमें इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ के माध्यम से मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स को आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया है और नए रोजगार के अवसर सृजित करने पर विशेष जोर दिया गया है। सेमीकंडक्टर,

इलेक्ट्रॉनिक्स, स्पोर्ट्स, बायोफार्मा जैसे अनेक क्षेत्रों को जिस प्रकार से सरकार की ओर से प्रोत्साहन मिला है, वह सराहनीय है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में लगभग 40 हजार करोड़ और बायोफार्मा क्षेत्र में 10,000 करोड़ रुपये के समर्थन से जो मजबूत सपोर्ट सिस्टम खड़ा किया गया है, वह स्पष्ट रूप से दशार्ता है कि हमारी सरकार भारत को मैन्युफेक्चरिंग हब बनाने और नए रोजगार सृजित करने के लिए कितना कटिबद्ध है साथ ही, इस बजट में महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की भावना भी स्पष्ट रूप से झलकती है। इससे हमारे बुनकरों और छोटे कुटीर उद्योगों को लाभ मिलने जा रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार को मजबूती मिलेगी टूरिज्म और कल्चरल सेंटर्स के विकास का जो सपना माननीय प्रधानमंत्री जी देख रहे हैं, उस दिशा में भी यह बजट सरकार की निरंतर पहल को दशार्ता है 20 नए वॉटरवेज के निर्माण की पहल हमारे परिवहन के नए आयाम खोलने वाला कदम है अब तक जहां हम एयरवेज, रोडवेज और रेलवे पर काम करते आए हैं, वहीं अब वॉटरवेज के माध्यम से भी बेहतर अवसरों के साथ आगे बढ़ने की दिशा दिखाई दे रही है पटना और बनारस को शिप रिपेयरिंग सेंटर के रूप में विकसित करने की योजना से इन क्षेत्रों में भी बड़े पैमाने पर नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

उन्होंने आगे कहा कि नारियल उद्योग और मत्स्य पालन को जिस प्रकार से प्राथमिकता दी गई है, वह सरकार की इस स्पष्ट मंशा को दशार्ता है कि हर वर्ग और हर क्षेत्र को साथ लेकर आगे बढ़ना है मैं प्रधानमंत्री और माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी को इस बात के लिए भी बधाई देता हूं कि परिवहन क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए बजट का आकार बढ़ाया गया है। साथ ही, रक्षा क्षेत्र के लिए 7.8 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान यह स्पष्ट संकेत देता है कि देश की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उक्त अवसर पर जिला अध्यक्ष मछली शहर अजय सिंह, जिला महामंत्री जौनपुर अमित श्रीवास्तव, जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिह एवं स्कन्द पटेल उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत जिला स्तरीय क्विज व विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों ने दिखाया वैज्ञानिक हुनर

जिलाधिकारी ने विजेता विद्यार्थियों को टैबलेट व नकद पुरस्कार देकर किया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बेसिक शिक्षा विभाग जौनपुर द्वारा राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत गुरुवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) सभागार में जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता एवं विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ

पटेल एवं उप शिक्षा निदेशक डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने जिलाधिकारी का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। केजीबीवी करंजाकला की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना व स्वागत गीत ने सभी का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में जनपद के प्रत्येक विकासखंड से चयनित छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। क्विज प्रतियोगिता में शीर्ष पांच तथा विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी में शीर्ष पांच विद्यार्थियों को विजेता घोषित किया गया। विजेताओं को जिलाधिकारी द्वारा टैबलेट, बैग, विज्ञान पुस्तकें, प्रमाण पत्र एवं क्विज विजेताओं को रु० 2000 नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने कहा कि विज्ञान जिज्ञासा, नवाचार और भविष्य निर्माण का आधार है। उन्होंने विद्यालयों में निपुण भारत मिशन, स्वच्छता अभियान एवं शैक्षिक नवाचारों की सराहना करते हुए प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही मध्यान्ह भोजन में स्थानीय पौष्टिक सब्जियों को शामिल करने की अपील की। उप शिक्षा निदेशक डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों के मॉडलों को सराहनीय बताते हुए निरंतर सीखने के लिए प्रेरित किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक प्रशिक्षण विशाल कुमार, सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी आलोक कुमार गुप्ता, एसआरजी टीम, डायट प्रवक्ता एवं विभिन्न विकासखंडों के शिक्षक मौजूद रहे। संचालन नूपुर श्रीवास्तव ने किया।

जन्मपत्री को व्यक्ति के जीवन का खाका माना जाता है: डा.पवन शुक्ला

शास्त्रार्थ महाविद्यालय में कुण्डली निर्माण का प्रशिक्षण प्रारम्भ

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के भारतीय ज्योतिष में कुण्डली (जन्मपत्री) को व्यक्ति के जीवन का खाका माना जाता है। कुण्डली निर्माण व फलादेश की कक्षा जन्म-समय, स्थान और तिथि के आधार पर ग्रहों की स्थिति (लग्न, राशि, नक्षत्र) को 12 भावों में सटीक रूप से स्थापित करना सिखाती है। यह शिक्षा इष्टकाल, लग्न स्पष्ट, दशा-अन्तरदशा और अष्टकवर्ग की गणना के माध्यम से जीवन के सुख-दुःख, करियर, विवाह व स्वास्थ्य का विश्लेषण करना सिखाती है। इसका उद्देश्य जातक के भविष्य का सटीक पूवार्नुमान लगाना है। उक्त बातें शास्त्रार्थ महाविद्यालय (दशाश्वमेध) में कुण्डली निर्माण व फलादेश प्रशिक्षण कार्यशाला में संयोजक व संस्था के प्राचार्य डा. पवन कुमार शुक्ला ने कही। इन्होंनें बताया कि इस कक्षा में छात्र व जिज्ञासु कुण्डली बनाने की मूलभूत वैज्ञानिक और पारंपरिक विधियों को सीखेंगे। प्रथम दिन उद्घाटन सत्र में कुल 45 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जो भी व्यक्ति व छात्र सीखना चाहें वो प्रतिदिन 12 बजे से कक्षा में शामिल हो सकते हैं। ज्योतिष विभाग के सदस्य डा.उमाशंकर त्रिपाठी,डा.अमोद दत्त शास्त्री के निर्देशन में ज्योतिर्विद आचार्य संजय उपाध्याय प्रशिक्षण देंगें।

चारू निगम बनीं सुल्तानपुर की नई पुलिस अधीक्षक

खनन-शराब माफियाओं और पशु तस्करों के खिलाफ रहती हैं सख्त, हंसी के लिए हैं मशहूर

इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बुधवार रात हुए तबादलों में सुल्तानपुर के एसपी कुंवर अनुपम सिंह को जौनपुर का एस पी नियुक्त किया गया है। उनके स्थान पर चारू निगम को सुल्तानपुर का नया पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। कुंवर अनुपम सिंह ने जनवरी 2025 में जिले का कार्यभार संभाला था और वे यहां 13 महीने तक एसपी रहे। इस दौरान उन्हें पदोन्नति मिली और वे एसएसपी बनाए गए। वहीं, चारू निगम पीएसी गाजियाबाद की सेनानायक के पद से सुल्तानपुर एसपी के रूप में भेजी गई हैं। चारू निगम मूल रूप से उत्तर प्रदेश के आगरा की रहने वाली हैं। उनका पूरा परिवार आगरा में रहता था, लेकिन पिता एमएस निगम की दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी (डीडीए) में नौकरी लगने के बाद परिवार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थानांतरित हो गया। इस कारण चारू की शिक्षा-दीक्षा दिल्ली में हुई। उन्होंने गणित और कंप्यूटिंग में बीटेक की डिग्री हासिल की है। बीटेक के बाद चारू ने नौकरी करने के बजाय सिविल सेवा में जाने का

निर्णय लिया। उनके पिता भी चाहते थे कि वे आईएएस या आईपीएस बनें और उन्होंने अपनी बेटी को हर तरह से सहयोग दिया। कई अन्य उम्मीदवारों की तरह, चारू को पहली बार में सफलता नहीं मिली। उन्होंने वर्ष 2010 में यूपीएससी सीएसई की परीक्षा दी थी, लेकिन उनका चयन 2013 में हुआ। अपने एक साक्षात्कार में चारू ने बताया था कि वह बचपन से ही काफी हंसमुख थीं, जिसके कारण उन्हें स्कूल और कॉलेज में भी कई बार डांट सुननी पड़ती थी। साल 2014 में चारू को झांसी में पहली पोस्टिंग मिली। उन्होंने चंबल जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में भी खुशी-खुशी कार्यभार संभाला, जहां अनुभवी आईपीएस अधिकारी भी जाने से कतराते हैं। पोस्टिंग के कुछ समय बाद ही उन्होंने खनन और शराब माफियाओं के खिलाफ अभियान छेड़ दिया। उन्होंने पशु, गांजा और चरस की तस्करी करने वालों के विरुद्ध भी ताबड़तोड़ कार्रवाई की। आईपीएस चारू की कार्यशैली के कारण खनन और शराब माफियाओं में हड़कंप मच गया। अपनी दमदार और बेदाग कार्यशैली के कारण झांसी के लोग उन्हें 'लेडी सिंघम' कहकर पुकारते थे।

औद्योगिक पाइपिंग, एआई वर्कशॉप से विद्यार्थियों को मिली नयी दिशा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्रशिक्षण नियुक्ति सेल (सीटीपीसी) ने छात्रों की तकनीकी कुशलता सशक्तिकरण हेतु सॉफ्टकैन भारत निजी लिमिटेड के सहयोग से दो दिवसीय विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया।

प्रथम कार्यशाला औद्योगिक पाइपिंग-व्यवस्था आरेखण पर केंद्रित रही, जिसमें परिष्करणागार, ऊर्जा संयंत्र, रासायनिक, जल-अपशिष्ट जल तथा खाद्य उद्योगों की पाइपिंग डिजाइन पर गहन चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने पाइपिंग-घटकों, सामग्री चयन, मार्ग-दर्शन सिद्धांत, सुरक्षा मापदंड, अंतरराष्ट्रीय संहिताएँ, संयंत्र आरेखण, तनाव विश्लेषण तथा सहारा प्रणालियों जैसे विषयों पर प्रकाश डाला। त्रिविमीय आरेखण सॉफ्टवेयरों (जैसे आटोडेस्क रेवित, एवेवा पीडीएमएस, एसपी३डी तथा एवेवा ई३डी) पर व्यावहारिक प्रशिक्षण में टकराव-

शोधन प्रक्रिया भी शामिल की गई।

द्वितीय कार्यशाला कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा यंत्र-अध्ययन पर आयोजित हुई, जहाँ सहायक तकनीकी प्रमुख अभिषेक रज- ने पर्यवेक्षित, अनुपयवेक्षित तथा सुदृढ़ीकरण अध्ययन की संकल्पनाओं का परिचय कराया। उन्होंने पायथन, आंकड़ा-विज्ञान तथा एमएलओप्स कुशलताओं पर बल देते हुए स्वास्थ्य-सेवा, वित्त, कृषि व शिक्षा क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की वृद्धि तथा २०२६ को 'कारक कृत्रिम बुद्धिमत्ता का वर्ष' घोषित कर छात्रों को प्रेरित किया।

सीटीपीसी निदेशक प्रोफेसर प्रदीप कुमार ने कहा, ₹विश्वविद्यालय छात्रों को रोजगारोन्मुखी बनाने हेतु विशेषज्ञ कार्यशालाएँ निरंतर आयोजित कर रहा है। विज्ञान, कला, प्रबंधन व औषधि संकायों हेतु ऐसी पहलें जारी रहेंगी।₹ कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील कुमार ने किया। डॉ. दीप प्रकाश सिंह, डॉ. अंकुश, शांत त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहीं।

कार ने मारा ऑटो को धक्का, ऑटो पलटी होने से सात लोग जख्मी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सराखख्वाजा थाना क्षेत्र के मखमेलपुर गांव के पास कार के धक्के से टेंपो पलट गया जिसमें सवार 7 महिलाएं गंभीर घायल हो गई। दुर्घटना कुछ इस प्रकार से घटी है कि शुक्रवार शाम लगभग 4:30 बजे टैम्पो शहर की तरफ से कहीं जा रहा था जिसमें महिलाएं सवार थी। जैसे ही टेंपो उक्त स्थान पर पहुंचा वैसे ही शाहगंज की तरफ से आ रही कार ने टक्कर मार दिया।

टक्कर लगते ऑटो पलट गया। ऑटो में सवार इंद्र शीला देवी उम्र लगभग 58 वर्ष पत्नी राधेश्याम कश्यप और उनके साथ बैठी रही उनकी बहू काजल कश्यप पत्नी प्रवेश कुमार कश्यप उम्र लगभग 24 वर्ष निवासी छतौरा थाना सराय ख्वाजा। इसी दुर्घटना में रानी पत्नी बाबूलाल उम्र लगभग 30 वर्ष निवासी बीबीपुर थाना खेतासराय। प्रेमा देवी पत्नी शेषमणि उम्र लगभग 40 वर्ष निवासी कोड़िया थाना फूलपुर जनपद आजमगढ़ और रीना देवी पत्नी सुरेश कुमार निवासी कोड़िया थाना फूलपुर आजमगढ़ उर्मिला देवी पत्नी महेश उम्र लगभग 29 वर्ष निवासी बड़ा गांव थाना शाहगंज। दीपा देवी उम्र लगभग 38 वर्ष पत्नी रामसागर निवासी बड़ा गांव थाना शाहगंज घायल हो गई। घटना थाने से चंद कदम की दूरी पर होने के कारण पुलिस मौके पर पहुंच गई और सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गई। दुर्घटना में घायल सभी महिलाओं को उपचार के लिए भर्ती कर लिया गया है जहां इनका उपचार चल रहा है। पुलिस ने टेंपो और उसके चालक को कब्जे में ले लिया है। वहीं दुर्घटना करने वाली कार चालक समेत फरार हो गई है।

आरबीआई ने ब्याज दरों में किया यथास्थिति का फैसला, एफवाई27 में 5.25 प्रतिशत अंतिम दर की संभावना : एचडीएफसी बैंक

पटना(उत्तरशक्ति)। आरबीआई ने उम्मीद के मुताबिक नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं किया है, क्योंकि हालिया विकास की गति और घोषित व्यापार समझौतों से संभावित सकारात्मक प्रभावों को देखते हुए उसे राहत मिली है।

वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही के लिए जीडीपी वृद्धि के पूर्वानुमानों में किए गए संशोधन में यह बात परिलक्षित हुई। हाल ही में हुए व्यापार समझौते की घोषणा के मद्देनजर, हम वित्त वर्ष 2027 के लिए अपने 6.9 प्रतिशत के विकास पूर्वानुमान में 20से30 बीपीएस की वृद्धि की उम्मीद करते हैं। दूसरी ओर, आरबीआई ने वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही के लिए अपने मुद्रास्फीति पूर्वानुमानों को भी संशोधित किया है और मुद्रास्फीति में वृद्धि के जोखिमों के प्रति आगाह किया है।

हम देखते हैं कि कीमती धातुओं की कीमतों में वृद्धि के अलावा, आधार धातुओं की कीमतों और इनपुट लागतों में वृद्धि के साथ-साथ मौसम संबंधी व्यवधानों के कारण होने वाले किसी भी जोखिम से भविष्य में मुद्रास्फीति के अनुमानों में और अधिक वृद्धि की संभावना बढ़ जाती है। आज के संचार से हमारे इस दृष्टिकोण की पुष्टि होती है कि यह ब्याज दर में कटौती के चक्र का अंत होने की संभावना है और वित्त वर्ष 2027 में 5.25% अंतिम दर हो सकती है।

हाल ही में आरबीआई द्वारा उठाए गए कदमों के चलते सिस्टम में तरलता की स्थिति में सुधार हो रहा है, इसलिए हम वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में तरलता पर और घोषणाओं की उम्मीद नहीं करते हैं और उम्मीद करते हैं कि परिस्थितियां व्यापक रूप से अनुकूल बनी रहेंगी जिससे धन का हस्तांतरण संभव हो सकेगा।

दूसरी ओर, आपूर्ति और मांग में असंतुलन, बढ़ती वैश्विक ब्याज दरें और ब्याज दर में कटौती के चक्र की समाप्ति के कारण बॉन्ड की ब्याज दरें ऊंची बनी रह सकती हैं।

यूजीसी एक्ट के समर्थन में प्रतियोगी छात्रों ने किया प्रदर्शन, कलेक्ट्रेट के सामने नारेबाजी

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। यूजीसी रेगुलेशन पर सुप्रीम कोर्ट के द्वारा लगाई गई रोक के खिलाफ रेगुलेशन को लागू करने के लिए समता समर्थकों ने जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन इलाहाबाद शहर के बैंक रोड से शुरू होकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर सभा में तब्दील हो गया। इसमें छात्र, वकील और नागरिक समाज के लोग शामिल रहे।

पित करने की दिशा में बढ़ा हुआ कदम था, जिसके पक्ष में भाजपा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में मजबूत पक्ष नहीं रखा है, जिसके कारण सुप्रीम कोर्ट के द्वारा स्टे लगा दिया गया।

नेहा ने कहा कि आइसा लंबे समय से रोहित एक्ट को लागू करने की लड़ाई लड़ता रहा है। यूजीसी के रेगुलेशन को भी रोहित एक्ट के तर्ज पर ही लागू किया जाना चाहिए, नहीं तो पूरे देश में इसके खिलाफ आंदोलन किया जाएगा। आइसा प्रदेश अध्यक्ष मनीष कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में जातिगत उत्पीड़न के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। भाजपा सरकार उसको रोकने में पूरी तरह से नाकाम साबित हुई है। इस जातिगत उत्पीड़न को रोकने के लिए रोहित एक्ट के तर्ज पर यूजीसी के रेगुलेशन को लागू किया जाना ही विश्वविद्यालय परिसर में सामाजिक न्याय को स्थापित करेगा। इलाहाबाद विश्वविद्यालय आइसा अध्यक्ष सोनाली यादव ने कहा कि लगातार शिक्षा और विश्वविद्यालय परिसर पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। मौजूदा सरकार लोगों को शिक्षा से बेदखल करना चाहती है और जो लोग इस तरह के शैक्षणिक संस्थानों में हैं उन्हें किसी भी रूप में सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराना चाहती। इसीलिए दलित पिछड़े महिलाओं के ऊपर उत्पीड़न के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुधीर यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के खिलाफ एकजुट होकर लड़ना होगा तभी कोई बदलाव की बात बनेगी। पूरे देश में फासीवाद कायम है। उसी का परिणाम है कि जातिगत उत्पीड़न के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इसके खिलाफ लड़ करके ही जीत हासिल की जा सकती है। आइसा की तरफ से शशांक, मानवेंद्र, सुजीत, अमित, साक्षी, हिमांशु, लेनिन, समाजवादी छात्र सभा की तरफ से गौरव गोंड, राहुल पटेल, प्रियांशु, अनुराग यादव आशुतोष मौर्या समेत सैकड़ों छात्राएं शामिल रहे।

युवती की हत्या कर शव नहर के पास फेंका

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। मऊआइमा थाना क्षेत्रके गोवर्धनपुर गांव में शारदा सहायक नहर पुलिया की पटरी पर युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। ग्रामीणों की मदद से शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। युवती की पहचान नहीं हो सकी है। दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जाहिर की जा रही है।

सुबह नहर के पास से गुजर रहे ग्रामीणों ने युवती का शव देखा तो सन्न रह गए। कुछ देर में वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। युवती के शरीर पर नीले रंग का जींस पैंट और हल्के गुलाबी रंग का टॉप है। पैर में जूते पड़े हैं। आशंका जाहिर की जा रही है कि हत्या करने के बाद शव को यहां फेंका गया है। पुलिस शव की शिनाख्त करने में जुट गई है।

चोरी मामले में अंतरजनपदीय गिरोह की तीन महिलाएं गिरफ्तार

आजमगढ़। थाना गंभीरपुर पुलिस ने चोरी एक मामले का खुलासा करते हुए अंतरजनपदीय गिरोह की तीन महिला अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी की 7,230 रुपये नकद और तीन ब्लेड कटर बरामद किया है। थाना प्रभारी अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले में सविता ने 12 जनवरी को थाना गंभीरपुर में तहरीर दी थी। इसमें बताया था कि 9 जनवरी 2026 को मायके जाते समय ब्रिंदा बाजार के पास उनके जेवरात और 5,000 रुपये चुरा लिए थे। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई। बुधवार को उपनिरीक्षक चंद्र प्रकाश कश्यप, उपनिरीक्षक संजय कुमार सिंह, कांस्टेबल सूरज खरवार, महिला कांस्टेबल अनामिका मिश्रा व अंजली सरोज ने क्षेत्र में चेकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी को अंजाम देने वाली तीन महिलाएं रानीपुर रजमो मुसहर बस्ती जाने वाली सड़क के पास खड़ी हैं।

इन्दिरा आईवीएफ ने मीरा रोड में नये फर्टिलिटी क्लिनिक का शुभारंभ किया

मीरा रोड/मुंबई। इन्दिरा आईवीएफ हॉस्पिटल लिमिटेड ने मुंबई में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करते हुए मीरा रोड में अपने नए फर्टिलिटी क्लिनिक का शुभारंभ किया है। इस सेंटर की शुरूआत से पश्चिमी उपनगरों के मरीजों को संगठित और सुलभ फर्टिलिटी एवं रिप्रोडक्टिव हेल्थकेयर सेवाएं आसानी से उपलब्ध होगी। यह नया क्लिनिक शांति लेगेसी, मीरा-भायंदर लिंक रोड, रिलायंस पेट्रोल पंप के पास, शिवर गार्डन, मीरा रोड मुंबई में आरम्भ किया गया है। फर्टिलिटी और आईवीएफ की सम्पूर्ण सुविधाओं से सुसज्जित यह सेंटर इन्दिरा आईवीएफ के स्टेण्डर्ड क्लिनिकल प्रोटोकॉल, पेशेंट सेफ्टी सिस्टम और तकनीक आधारित उपचार पद्धतियों के साथ उपचार सेवा प्रदान करेगा। क्लिनिक का उद्देश्य समय पर डायग्नोसिस, उचित व चरणबद्ध उपचार प्रक्रिया और मरीजों को उनके घर के करीब निरन्तर सतत देखभाल उपलब्ध करवाना है। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि मीरा भायंदर विधायक नरेंद्र मेहता और जनसेवक मुम्बई गोपाल शेट्टी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह में सीनियर एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर इन्दिरा आईवीएफ भांडुप डॉ. रिनॉय श्रीधरन, इन्दिरा आईवीएफ बोरीवली की सीनियर एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. कनिका कल्याणी, कंसल्टेंट गाइनकोलॉजिस्ट एंड सेंटर हेड इन्दिरा आईवीएफ मीरा रोड डॉ. सविता चावण और हेल्थकेयर कंसल्टेंट डॉ. महेंद्र वाडीवाला सहित इन्दिरा आईवीएफ के सीनियर डॉक्टर्स एवं प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए मीरा भायंदर विधायक नरेंद्र मेहता ने कहा कि स्थानीय स्तर पर हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना क्षेत्र की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अत्यंत जरूरी है। इस संगठित फर्टिलिटी सेंटर का उद्?घाटन परिवारों के लिए सुलभ और समय पर रिप्रोडक्टिव हेल्थेकयर सेवाओं की बढ़ती आवश्यकता को रेखांकित करता है। इन्दिरा आईवीएफ हॉस्पिटल लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर नितिज मुर्डिया ने कहा कि मुंबई में उचित, संगठित और विश्वसनीय फर्टिलिटी केयर की मांग लगातार बढ़ रही है। मीरा रोड सेंटर हमारी इस प्रतिबद्धता को दशार्ता है कि हम गुणवत्तापूर्ण क्लिनिकल स्टेण्डर्ड, एविडेंस बेस्ड उपचार और रोगी-केंद्रित केयर के साथ सेवाओं का विस्तार कर रहे हैं।

जनसेवक मुम्बई गोपाल शेट्टी ने कहा कि फर्टिलिटी केयर में जागरूकता और सुलभता दोनों आवश्यक हैं। इस तरह के समर्पित सेंटर की उपस्थिति लोगों को समय पर परामर्श लेने और अपने क्षेत्र में ही जानकारीपूर्ण मेडिकल सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है। सीनियर एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर इन्दिरा आईवीएफ भांडुप डॉ. रिनॉय श्रीधरन ने कहा कि फर्टिलिटी ट्रीटमेंट एक मेडिकल के साथ-साथ भावनात्मक प्रक्रिया भी होती है। मीरा रोड सेंटर में हमारा ध्यान मरीज की पूरी यात्रा में स्पष्ट मार्गदर्शन, क्लिनिकल सटीकता और सहानुभूतिपूर्ण देखभाल पर रहेगा।

इन्दिरा आईवीएफ बोरीवली की सीनियर एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. कनिका कल्याणी ने कहा कि इन्दिरा आईवीएफ का मुख्य फोकस उपचार प्रक्रियाओं की समानता और रोगी सेफ्टी सिस्टम पर है। मीरा रोड क्लिनिक हमारे नेटवर्क के साथ कॉर्डिनेशन में काम करेगा ताकि मरीजों को सुसंगठित और विश्वसनीय चिकित्सा सेवा मिल सके। कंसल्टेंट गाइनकोलॉजिस्ट एंड सेंटर हेड इन्दिरा आईवीएफ मीरा रोड डॉ. सविता चावण ने कहा कि मीरा रोड में हमारी उपस्थिति का विस्तार फर्टिलिटी केयर को और अधिक सुलभ एवं रोगी-केंद्रित बनाने की दिशा में कदम है। हेल्थकेयर कन्सल्टेंट डॉ. महेंद्र वाडीवाला ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किसी भी क्षेत्र की चिकित्सा व्यवस्था को मजबूत करता है। फर्टिलिटी सेंटर में एक ही स्थान पर समस्त सुविधाए उपलब्ध होने डायग्नोसिस में देरी समाप्त होती है और मरीजों के लिए उपचार की निरंतरता सुनिश्चित होती है।

जौनपुर की श्रीमती सुनीत राय को राज्यपाल द्वारा किया गया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति। जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि जनभवन लखनऊ में आयोजित प्रादेशिक फल शाकभाजी एंव पुष्प प्रदर्शनी 2026 का शुभारंभ राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल, एंव राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एंव कृषि निर्यात उ0प्र0 दिनेश प्रताप सिंह के कर कमलो द्वारा किया गया।

जनपद में मशरूम की खेती में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए श्रीमती सुनीता राय ग्राम मेहौडा विकासखण्ड मुफ्तीगंज जनपद जौनपुर को राज्यपाल द्वारा उक्त कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। सुनीता की यह उपलब्ध्धि न केवल उनके व्यक्तिगत परिश्रम का परिणाम है बल्कि यह हमारे क्षेत्र के मशरूम की खेती के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण भी है। इनके द्वारा 30 अप्रैल, 2024 में मशरूम यूनिट की शुरूआत की गयी। यूनिट ने बहुत ही कम समय में 3.98 करोड का टर्न ओवर प्राप्त कर एक नई मिसाल पेश की है। पिछले वर्ष के 204 मीट्रिक टन के मुकाबले इस वित्तीय वर्ष 450 मीट्रिक टन से अधिक उत्पादन का लक्ष्य उनकी व्यवसायिक दूरदर्शिता को दशार्ता है। तकनीकी नवाचार में कैनिन यूनिट की स्थापना कर मशरूम की सेल्फ लाइफ को 3 दिन से बढाकर 18 महीना करना एक गेम चेंचर कदम है। इससे न केवल मशरूम की बबार्दी रूकेगी बल्कि उत्पादो को दूरस्थ बाजारो और निर्यात के लिए भी तैयार किया जायेगा।

2030 तक लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में 47 लाख लंबित नौकरियों के लिए बड़े स्किलिंग सुधार और डिजिटल वर्कफोर्स निर्माण जरूरी

मुंबई/नई दिल्ली। भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में 2025 के दौरान मजबूत भर्ती गतिविधि देखी गई, जहां वर्ष की दूसरी छमाही में 10.8% शुद्ध रोजगार वृद्धि दर्ज की गई, जो दशार्ता है कि उद्योग के विस्तार के साथ बड़ी संख्या में पद भरे जा रहे हैं। फ्रेट, वेयरहाउसिंग, ट्रांसपोर्टेशन और सप्लाई चेन कार्यों में वृद्धि के चलते 2030 तक इस क्षेत्र को 47 लाख अतिरिक्त कर्मचारियों की आवश्यकता होगी। इस बढ़ती और तत्काल मांग को पूरा करने के लिए बड़े स्किलिंग सुधार और डिजिटल वर्कफोर्स निर्माण जरूरी है, लॉजिस्टिक्स सेक्टर स्किल काउंसिल के सीईओ रविकांत यमर्थी ने आज लॉजिमैट इंडिया 2026 में उद्योग जगत के नेताओं को संबोधित करते हुए कहा। लॉजिस्टिक्स सेक्टर स्किल काउंसिल ने लॉजिमैट इंडिया के साथ प्रतिभा अंतर को पाटने और भारत को लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में विश्व की टैलेंट कैपिटल के रूप में स्थापित करने के लिए साझेदारी भी की है। दुनिया के सबसे बड़े लॉजिस्टिक्स, फ्रेट और ट्रांसपोर्टेशन शो लॉजिमैट इंडिया 2026 का बहुप्रतीक्षित तीसरा संस्करण आज मुंबई के बॉम्बे एग्ज़िबिशन सेंटर में भव्य उद्घाटन समारोह के साथ शुरू हुआ। इस वर्ष यह आयोजन और भी भव्य है, जिसमें 10 देशों से 350 से अधिक वैश्विक ब्रांड भाग ले रहे हैं। यह रणनीतिक सहयोग उद्योग-संरेखित प्रमाणन कार्यक्रमों और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यबल के कौशल उन्नयन को बढ़ावा देकर स्किल गैप को पाटने के लिए समर्पित है।

नवनिर्मित परिक्षेत्रीय सभागार का भव्य उद्घाटन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दिनांक 06 फरवरी 2026 को वाराणसी परिक्षेत्रीय कार्यालय परिसर में पीयूष मोर्डिया, अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी जोन के द्वारा वैभव कृष्ण, पुलिस उपमहानिरीक्षक वाराणसी परिक्षेत्र, सोमेन बर्मा निवर्तमान पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर, कुँवर अनुपम सिंह नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर, डॉ. कौस्तुभ निवर्तमान पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर, गोल्डी गुप्ता सहायक पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर, सुश्री श्रृष्टि जैन सहायक पुलिस अधीक्षक प्रशिक्षणाधीन की गरिमामयी उपस्थिति में काशी गंगा परिक्षेत्रीय अतिथि गृह, वाराणसी एवं नवनिर्मित परिक्षेत्रीय सभागार का उद्घाटन संपन्न हुआ। इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा नवनिर्मित भवनों की सराहना करते हुए कहा गया कि इस प्रकार की आधुनिक सुविधाएँ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्य निष्पादन, प्रशिक्षण तथा समन्वय को और अधिक सुदृढ़ करेंगी। इस अवसर पर निरीक्षक रमेश यादव रीडर, निरीक्षक अखिलेश मौर्या प्रभारी आईजीआरएस शाखा, शिवजी सिंह प्रधान लिपिक, उपनिरीक्ष नरसिंह ओझा प्रभारी जनशिकायत प्रकोष्ठ, उपनिरीक्षक सूरज सिंह प्रभारी साइबर/सोशल मीडिया सेल, उपनिरीक्षक राजेश तिवारी, पीआरओ, वाराणसी परिक्षेत्र सहित अन्य समस्त शाखा प्रभारी एवं कर्मचारीगण परिक्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी उपस्थित रहे।

सार्वजनिक कुएं के कब्जे विवाद में खूनी झड़प

पांडेयपुर नईबस्ती में हिंसक हमल, युवक सिर पर गंभीर चोट

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के पांडेयपुर क्षेत्र की नईबस्ती में सार्वजनिक कुएं के अवैध कब्जे को लेकर मारपीट हुईं।घटना गुरुवार 5 फरवरी 2026 की शाम करीब 6:30 बजे की बताई जा रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार संतोष पाल पुत्र पल्लू पाल (निवासी नईबस्ती, पांडेयपुर) ने नगर निगम वाराणसी में सार्वजनिक कुएं पर अवैध कब्जे की शिकायत दर्ज कराई थी।शिकायत के बाद नगर निगम की टीम ने स्थानीय लोगों की मौजूदगी में कुएं की जांच भी की।इसी रंजिश के चलते आरोपी पक्ष ने बदला लिया।संतोष पाल के भाई रंजीत पाल जब कुएं के पास मोटरसाइकिल खड़ी कर रहे थे,तभी सतीश जायसवाल पुत्र राधेश्याम जायसवाल ने अपने परिवार के सदस्यों—पत्नी,पुत्र रोहित जायसवाल और मोहित जायसवाल—के साथ मिलकर उन पर पीछे से ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया।रंजीत पाल सिर पर गंभीर चोटें आने से लहूलुहान हो गए,रक्तस्राव हुआ और उल्टियां भी होने लगीं।पड़ोसियों ने सूचना दी,जिसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और डायल 112 पर पुलिस को सूचित किया।पुलिस मौके पर पहुंची और घायल रंजीत पाल को पहले पांडेयपुर चौकी ले गई,जहां से आगे इलाज के लिए भेजा गया। संतोष पाल ने लालपुर-पांडेयपुर थाने में लिखित तहरीर देकर सतीश जायसवाल समेत परिवार के सदस्यों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करने और सख्त कार्रवाई की मांग की है।पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। दूसरे पक्ष (सतीश जायसवाल पक्ष) की ओर से भी चोट लगने की बात कही गई है,जिससे यह मामला दोनों तरफ से पारस्परिक हमले का रूप ले सकता है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमला हुआ देखा गया है,लेकिन पुलिस दोनों पक्षों की शिकायतों और चश्मदीदों के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

शिक्षा में निवेश ही सबसे श्रेष्ठ: आईएएस अभिषेक सिंह

पाठशाला लाइब्रेरी का फीता काटकर किया उद्घाटन, छात्रों को मिलेगा अनुकूल अध्ययन वातावरण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के ईसापुर मोहल्ले में स्थित पाठशाला लाइब्रेरी का शुभारंभ शुक्रवार को आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह ने फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, शिक्षाविदों और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आईएएस अभिषेक सिंह ने कहा कि शिक्षा और करियर के क्षेत्र में किया गया निवेश सबसे श्रेष्ठ होता है। उन्होंने कहा कि आज पैसे कमाने के कई साधन उपलब्ध हैं, लेकिन यदि कोई व्यक्ति ऐसा कार्य करता है जिससे समाज का भविष्य संवरता हो और युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिले, तो वह अत्यंत सराहनीय है। ऐसे प्रयास करने वालों को मैं हाथ जोड़कर नमन करता हूं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित ऋतुराज सिंह छोटू ने कहा कि वर्तमान समय में लाइब्रेरी का शुभारंभ होना एक सराहनीय और समय की मांग के अनुरूप पहल है। इससे आसपास के विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें अपने क्षेत्र में ही एक सकारात्मक, शांत और अनुकूल अध्ययन वातावरण उपलब्ध होगा। उन्होंने पाठशाला लाइब्रेरी के संचालक सौरभ चक्रवर्ती को इस पहल के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद् एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

महाशिवरात्रि पर काशी में सजेगा ब्रज का दिव्य श्रृंगार

सुरेश गांधी

वाराणसी। महाशिवरात्रि का पावन पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य विवाहोत्सव के रूप में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व काशी की आध्यात्मिक परंपरा में एक नया और ऐतिहासिक अध्याय जोड़ने जा रहा है। पहली बार मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मस्थली से बाबा श्री काशी विश्वनाथ के लिए विशेष श्रृंगार एवं पूजन सामग्री भेंट स्वरूप काशी धाम पहुंचेगी। यह सांस्कृतिक और धार्मिक समन्वय न केवल इस महापर्व की गरिमा को और ऊंचाई प्रदान करेगा, बल्कि सनातन परंपरा की अखंड एकात्मता का सशक्त संदेश भी देगा। दरअसल, काशी और ब्रज धाम के मध्य धार्मिक-सांस्कृतिक आदान-प्रदान की यह परंपरा गत वर्ष रंगभरी एकादशी के अवसर पर प्रारंभ हुई थी। उसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष एक और अभिनव पहल की जा रही है, जिसमें श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर न्यास द्वारा महाशिवरात्रि पर बाबा विश्वनाथ को श्रृंगार भेंट किया जाएगा। वहीं, आगामी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर की ओर से लड्डू गोपाल को विशेष उपहार प्रेषित किए जाने की परंपरा भी शुरू होगी। यह पहल सनातन संस्कृति में विभिन्न तीर्थों के आध्यात्मिक संबंधों को पुनर्जीवित करने का प्रयास मानी जा रही है।

इसी क्रम में ह्यपवित्र तीर्थ जल योजनाह्ल के माध्यम से काशी और रामेश्वरम धाम के बीच भी आध्यात्मिक सेतु स्थापित करने का प्रयास किया जा चुका है। अब काशी और मथुरा के मध्य यह नवाचार सनातन धर्म की उस मूल भावना को साकार करता है, जिसमें संपूर्ण भारत की तीर्थ परंपराएं एक सूत्र में पिरोई हुई दिखाई देती हैं। धार्मिक विद्वानों के अनुसार यह आयोजन हरिहर के दिव्य और शाश्वत संबंध का सजीव प्रतीक है। सनातन मान्यता में हरि अर्थात भगवान विष्णु और हर अर्थात भगवान शिव को एक-दूसरे का पूरक माना गया है। जहां भगवान विष्णु सृष्टि के पालनकर्ता हैं, वहीं भगवान शिव संहार और कल्याण के अधिष्ठाता माने जाते हैं। दोनों की उपासना और समन्वय सृष्टि के संतुलन और लोककल्याण का आधार माना गया है। ऐसे में श्रीकृष्ण जन्मस्थली से बाबा विश्वनाथ के श्रृंगार का आगमन इस सनातन एकत्व की दिव्य अनुभूति को मूर्त रूप देगा। महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर आयोजित यह विशेष धार्मिक आयोजन श्रद्धालुओं के लिए भक्ति, समरसता और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्वितीय संगम बनेगा। इससे न केवल काशी और ब्रज के सांस्कृतिक संबंध और प्रगाढ़ होंगे, बल्कि देशभर के श्रद्धालुओं के बीच सनातन संस्कृति की व्यापकता और समन्वय का संदेश भी पहुंचेगा। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने इस पावन भेंट के लिए श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर न्यास के प्रति आभार व्यक्त किया है।

पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने उत्तर मुम्बई की समस्याओं को लेकर आयुक्त के साथ बैठक

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद जनसेवक गोपाल शेट्टी ने उत्तर मुंबई से जुड़े जनसेवा के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने व कई महत्वपूर्ण विषयों को संज्ञान में लाने के लिए मुम्बई महानगरपालिका आयुक्त भूषण गगरानी व मुख्य अभियंता सुनील राठौड़ संग एक बैठक की। यह बैठक अत्यंत सकारात्मक रही। जिसमें जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ महानगरपालिका में गट नेता गणेश खणकर, उत्तर मुम्बई भाजपा के जिलाध्यक्ष दीपक उर्फ बाला तावड़े, पूर्व नगरसेवक कमलेश यादव, डॉ. योगेश दुबे, प्रमोद घाग व अप्पा बेलवलकर उपस्थित रहे।

यूपी पुलिस के जवान के साथ एमपी में 'खेल', नींद की झपकी से कार पलटी

सतना। मैहर जिले के नादन देहात थाना क्षेत्र में एक सड़क दुर्घटना के बाद यूपी पुलिस के कांस्टेबल की लाइसेंसी पिस्तौल गुम होने का मामला सामने आया है। हादसे के बाद पिस्तौल चोरी हुई या दुर्घटना के दौरान कहीं गिर गई, इसको लेकर पुलिस असमंजस में है। फिलहाल नादन देहात थाना पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के मऊआइमा थाना में पदस्थ कांस्टेबल ओमप्रकाश सिंह नागपुर में एक विवाह समारोह में शामिल होकर एक्स-सर्विसमैन साथी के साथ कार से प्रयागराज लौट रहे थे। लंबी यात्रा और नींद पूरी न होने के कारण नादन क्षेत्र के पास वाहन चलाते समय उन्हें झपकी आ गई, जिससे कार अनियंत्रित होकर सडक से नीचे उतरते हुए गड्ढे में पलट गई। हादसे में कांस्टेबल को गंभीर चोटें नहीं आईं, लेकिन उनकी आठ राउंड क्षमता वाली लाइसेंसी पिस्तौल दुर्घटना के बाद लापता पाई गई। इसी बिंदु पर पूरा मामला रहस्यमय बन गया है।

मोक्षधाम चिराना में श्री भूतनाथ मंदिर में मूर्ति का हुआ अनावरण

चिराना। ग्राम पंचायत चिराना के पश्चिम में स्थित मोक्षधाम में स्थित नवनिर्मित श्री भूतनाथ मंदिर में शुक्रवार को मूर्ति स्थापना की गई जिसका अनावरण नवलगढ़ विधायक विक्रमसिंह जाखल द्वारा किया गया यह भव्य मंदिर चेतन कुमावत ने अपनी माता स्व.श्रीमती मुन्नी देवी की पुण्य स्मृति में बनवाया है और मोक्षधाम में पुण्यकार्य किया है। मोक्षधाम मेआज हम सब यहां श्री भूतनाथ मंदिर की स्थापना जैसे दिव्य और पुणे अवसर के साक्षी बनने के लिए एकत्रित हुए हैं। यह केवल पत्थर और सीमेंट बजरी से बने एक मंदिर की स्थापना नहीं हुई है अपितु यह आस्था विश्वास श्रद्धा और सनातन संस्कृति के जीवंत स्थापना है। इससे पूर्व पंडित डॉ गणेश बैरागी के नेतृत्व में पंडितों के मंत्रोच्चारण के साथ भूतनाथ महादेव का अभिषेक रामूराम योगी, डॉ राजेन्द्र कुमावत व मोक्षधाम समिति के व्यवस्थापक अनील बारी द्वारा किया गया। इस पावन अवसर पर बोलते हुए विधायक जाखल ने कहा कि मोक्षधाम वह स्थान है जहां आकर मोक्ष प्राप्त होता है, लेकिन लोग ऐसी जगह में भी राजनीति करते है वो उचित नहीं है इन्होंने कहा भारतीय संस्कृत में मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं होता, मंदिर समाज की आत्मा होता है जहां संस्कार संयम सेवा और सद्भाव का प्रसार होता है श्री भूतनाथ मंदिर में भी आने वाले समय में न केवल भक्ति का केंद्र बनेगा बल्कि समाज को एकजुट करने वाला प्रेरणास्थल होगा देखा जाए तो भूतनाथ महादेव स्वयं भगवान शिव का एक स्वरूप है जो भूत-प्रेत ,भय, बाधा और नकारात्मक शक्तियों से रक्षा करते हैं जो शरण में आते हैं उसे अभय देते हैं, जो सच्चे मन से पुकारते हैं उसकी हर पीड़ा हर लेते हैं। आज के समय में जब मनुष्य तनाव भय और अ स्थिरता से घिरा हुआ है तब भूतनाथ महादेव की उपासना हमें धैर्य साहस और आंतरिक शक्ति प्रदान करती है शिव का अर्थ ही कल्याण है और जहां शिव की स्थापना होती है वहां कल्याण स्वत ही आता है। विधायक ने मोक्ष धाम समिति से जुड़े लोगों को सर्व समाज सेवा सम्मान देकर उनके कर्म को सराहा,उनका मान बढ़ाया। सम्मान पाने वालों में अनिल बारी,सुशील कुमार अग्रवाल, मिस्त्री महेंद्र कुमावत जिन्होंने इस मंदिर को नया लुक दिया संजय पाराशर और क्षेत्र के प्रसिद्ध आर्टिस्ट बाबू भाई पेंटर चौकीदार प्रहलाद राम और लक्ष्मण राम बेगारी शामिल है। कपिल स्वामी मनोज गुर्जर को भी डॉ राजेंद्र कुमावत ने मोमेंटो प्रदान कर नवाजा। कार्यक्रम के आयोजक चेतन कुमावत व किरोड़ीवाल परिवार द्वारा पधारे हुए अतिथियों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया गया। मंच संचालन वैद्य चंद्रकांत गौतम ने किया। इस पावन अवसर पर डॉ त्रिलोक सिंह शेखावत, डॉ प्रताप कुमावत, श्याम लाल कुमावत, एडवोकेट रामावतार गुप्ता, ओंकारमल धूनारिया हर्ष जोधपुर से पधारे जगदीश प्रसाद शर्मा, नारायण सिंह सुबेदार रामदेव जांगिड़, दिलीप सिंह,राकेश कुमार, आशुसिंह, सुनील भार्गव,कान जी भार्गव, गोपालसिंह, श्याम सुंदर जांगिड़, मनोज कल्याण पूर्व पटवारी मदन लाल कल्याण जीवराज सिंह, अर्जुन सिंह, भवानी सिंह, गिरधारी लाल चंदेल, मनीष कुमावत सोहन सेन,दुर्गा प्रसाद लूगरिया, रीछपाल भाटीवाल, मुकेश बागड़ी सहित कई गणमान्य जन इस बेला पर उपस्थित हुए जो हमारे लिए एक आध्यात्मिक क्षण बनकर आया।

वॉर्ड क्रमांक 144 से महायुती उम्मीदवार दिनेश पांचाळ की ऐतिहासिक जीत

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका 2026 चुनाव में विजयी सभी उम्मीदवारों को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई। इसी क्रम में वॉर्ड क्रमांक 144 से महायुती की ओर से भाजपा के कमल चिन्ह पर चुनाव लड़ते हुए दिनेश (बबलू भाई) पांचाळ जी के नगरसेवक पद पर विजयी होने पर उन्हें ढेर सारी बधाइयाँ एवं शुभेच्छाएँ दी गईं। दिनेश पांचाळ जी की यह जीत जनता के अपार विश्वास, अथक मेहनत और समर्पण का प्रतीक मानी जा रही है। समर्थकों ने ईश्वर से कामना की कि वे अपने कार्यकाल में वॉर्ड के विकास, जनसेवा और नागरिक सुविधाओं को नई ऊँचाइयों तक ले जाएँ। इस अवसर पर 4 फरवरी 2026, गुरुवार को श्री माघी गणेश जयंती के पावन पर्व पर गोवंडी, मुंबई स्थित उनके निवास पर गणपति बप्पा के दर्शन का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस शुभ अवसर पर समाज सेवक एवं समाज सेविकाएँ सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), सौ. श्रद्धा, अशोक बने सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने विजयी उम्मीदवार को शुभकामनाएँ दीं और गणपति बप्पा के दर्शन कर उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। उपस्थित जनसमूह ने अपेक्षा जताई कि दिनेश पांचाळ जी सदैव इसी प्रकार जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान करते रहेंगे। भाजपा, शिवसेना, रिपाई एवं रिपब्लिकन सेना की महायुती को जनता का सशक्त जनविश्वास प्राप्त हुआ है, जो इस जीत के रूप में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

पीएनबी ने पेश किया वाट्सअप चैनल डीमैट जानकारी तक सहज एवं सुरक्षित पहुंच के लिए

मुंबई। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक ने अपने व्हाट्सएप बैंकिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से 'डीमैट व्यूइंग फैसिलिटी' शुरू की है। यह पहल बैंक की डिजिटल निवेशक सेवाओं को और मजबूत करने तथा ग्राहकों की सुविधा बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस सुविधा के माध्यम से, पीएनबी के ग्राहक अब बैंक के सत्यापित व्हाट्सएप बैंकिंग चैनल के जरिए सीधे डीमैट से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह सुविधा उन ग्राहकों के लिए उपलब्ध है जिनका पीएनबी में डीमैट खाता है, जहाँ बैंक एनएसडीएल और सीडीएसएल के साथ 'डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट' के रूप में कार्य करता है। व्हाट्सएप आधारित यह सेवा पात्र ग्राहकों को उनकी डीमैट होल्डिंग का विवरण, लेनदेन विवरण, बकाया शुल्क, बिलिंग विवरण देखने और खोई हुई डिलीवरी इंस्ट्रक्शन स्लिप की रिपोर्ट करने की सुरक्षित सुविधा प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, ग्राहकों को डीमैट खाते खोलने, ट्रेडिंग पार्टनर सेवाओं का उपयोग करने और पीएनबी की डिपॉजिटरी पेशकशों को जानने के लिए बैंक के मोबाइल एप्लिकेशन पीएनबी वन, इंटरनेट बैंकिंग प्लेटफॉर्म पर सहजता से निर्देशित किया जाता है। इस नई पहल पर टिप्पणी करते हुए पीएनबी के मुख्य महाप्रबंधक (व्यवसाय अर्जन और संबंध प्रबंधन प्रभाग) सुधीर दलाल, ने कहा, ₹व्हाट्सएप की व्यापक पहुंच का लाभ उठाते हुए, बैंक का लक्ष्य डीमैट सेवाओं तक पहुंच को सरल बनाना, शाखाओं पर निर्भरता कम करना और विशेष रूप से पहली बार निवेश करने वाले और दीर्घकालिक निवेशकों के बीच अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। यह पहल डिजिटल जुड़ाव को मजबूत करने, वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने और सुरक्षित व ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग समाधान प्रदान करने की पीएनबी की व्यापक प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

विदेश भेजने के नाम पर जालसाजी, कोर्ट के आदेश पर दो सगे भाइयों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कुकुहॉ गांव में विदेश भेजने के नाम पर एक युवक से सवा लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने गाजीपुर जनपद के दो सगे भाइयों के विरुद्ध धोखाधड़ी और मारपीट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है। कुकुहॉ निवासी निसार अहमद पुत्र मो. खालिक ने आरोप लगाया कि गाजीपुर जिले के मरदह थानांतर्गत बेदौली निवासी उदयभान राजभर और चंद्रभान राजभर पुत्रगण श्यामलाल राजभर ने उसे मलेशिया में नौकरी दिलाने का झांसा दिया था। निसार ने उनकी बातों में आकर किस्तों में कुल 1,21,000 रुपये उन्हें सौंप दिए। इसके बदले आरोपियों ने उसे कूटरचित (फर्जी) वीजा और पासपोर्ट थमा दिया। ठगी की जानकारी होने पर जब पीड़ित ने 10 सितंबर 2025 को अपने घर पर उनसे पैसे वापस मांगे, तो आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की, साथ ही जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। स्थानीय थाने में सुनवाई न होने पर पीड़ित ने न्यायालय की शरण ली। अब कोर्ट के निर्देश पर गौराबादशाहपुर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

गणेश पूजन संग महाशिवरात्रि महोत्सव का भव्य शुभारंभ

वाराणसी। आध्यात्मिक चेतना और सनातन परंपरा की अनुपम धारा में अविरल बहती काशी नगरी एक बार फिर महाशिवरात्रि पर्व की अलौकिक आभा में रंगने लगी है। विश्वप्रसिद्ध श्री काशी विश्वनाथ धाम में महाशिवरात्रि महोत्सव की तैयारियों का विधिवत शुभारंभ प्रथम पूज्य, विघ्नविनाशक भगवान श्री गणेश जी के पूजन-अर्चन के साथ किया गया। इस पावन अवसर पर धाम परिसर वैदिक मंत्रों की मंगलमयी ध्वनि और भक्ति भाव से ओतप्रोत वातावरण से गुंजायमान हो उठा। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास का प्रतिनिधित्व करते हुए मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने वैदिक विधि-विधान के अनुसार श्री गणेश जी महाराज का पूजन संपन्न कराया। महाशिवरात्रि जैसे विराट और दिव्य आयोजन की निर्विघ्न सफलता हेतु प्रथम पूज्य भगवान गणेश से विशेष प्रार्थना की गई। पूजन के दौरान भगवान श्री गणेश को पारंपरिक रीति से वस्त्र, पुष्प, दुर्वा, सुगंधित माला, नैवेद्य और भोग अर्पित किया गया। इसके पश्चात भक्तिभाव से गणेश जी की स्तुति और आरती कर महोत्सव के सफल आयोजन की मंगलकामना की गई। धार्मिक मान्यता के अनुसार किसी भी शुभ कार्य का प्रारंभ भगवान गणेश की वंदना से ही किया जाता है। इसी सनातन परंपरा का निर्वहन करते हुए काशी विश्वनाथ धाम में महाशिवरात्रि महोत्सव के आयोजन से पूर्व गौरी नंदन श्री गणेश जी का पूजन कर उनसे महोत्सव के शुभारंभ की अनुमति मांगी गई। पूजन-अर्चन की इस दिव्य प्रक्रिया के साथ ही धाम में महाशिवरात्रि महोत्सव का औपचारिक शुभारंभ हो गया। मंदिर प्रशासन के अनुसार महोत्सव के अंतर्गत शास्त्रीय धार्मिक परंपराओं का विधिवत पालन किया जाएगा। आगामी दिवस से धाम में स्थापित सभी प्रधान विग्रहों का विशेष रुद्राभिषेक संपन्न कराया जाएगा। वैदिक मंत्रों के बीच भगवान शिव सहित समस्त देवताओं का आह्वान कर उन्हें जागृत किया जाएगा, ताकि वे इस दिव्य महोत्सव में सहभागी बनकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान करें। धाम परिसर में होने वाले शास्त्रीय अनुष्ठान और धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रतिदिन निर्धारित विधि-विधान के अनुरूप संपन्न होगी। मंदिर प्रशासन द्वारा प्रत्येक दिन होने वाले आयोजन की जानकारी श्रद्धालुओं और जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए नियमित रूप से दैनिक सूचना भी जारी की जाएगी, जिससे श्रद्धालु समयानुसार दर्शन एवं पूजन-अर्चन में सहभागी हो सकें। महाशिवरात्रि पर्व को लेकर काशी में आध्यात्मिक उत्साह अपने चरम की ओर बढ़ रहा है। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत और सुविधा के लिए धाम परिसर में व्यापक स्तर पर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही और धार्मिक अनुष्ठानों के सुचारु संचालन के लिए मंदिर प्रशासन और संबंधित विभाग समन्वित रूप से कार्य कर रहे हैं। काशी विश्वनाथ धाम में प्रारंभ हुआ यह महाशिवरात्रि महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, श्रद्धा और आध्यात्मिक एकता का जीवंत उत्सव भी है, जो भक्तों को भगवान शिव की अनंत कृपा और दिव्य ऊर्जा से जोड़ने का माध्यम बनेगा।

आठवीं की छात्रा का अपहरण कर जंगल में गैंगरेप

मऊगंज। जिले में 14 साल की आठवीं की छात्रा से गैंगरेप का मामला सामने आया है। छात्रा गत गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे सहेली के साथ आठवीं प्री-बोर्ड की परीक्षा देने के लिए घर से निकली थी। रास्ते में दो बाइक पर चार युवक मिले। दोनों छात्राओं को जंगल ले गए। एक को कुछ दूर पर छोड़ दिया, फिर दूसरी छात्रा के साथ गैंगरेप किया। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने छात्रा को कोई नशीला पदार्थ खिलाया, जिससे वह बेहोश हो गई। उसे सिविल अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को सूचना दी। परिजनों के अनुसार, युवती शाम तक जब घर नहीं पहुंची तो खोजबीन शुरू की। कुछ देर बाद गांव के पास जंगल में बेसुध हालत में मिली। अस्पताल से सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। छात्रा बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती है। सूचना मिलते ही एसपी दिलीप सोनी और एसडीओपी सची पाठक थाना पहुंचे। इस मामले में चार आरोपियों के नाम सामने आए हैं। एसपी दिलीप कुमार सोनी ने बताया कि युवती को होश आ गया है, लेकिन वह अभी स्पष्ट बयान देने की स्थिति में नहीं है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ जारी है। बाकी आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच निष्पक्ष तरीके से की जा रही है और पीड़िता के बयान के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

नितेश सिंह का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

मीरा रोड । मीरा रोड काशीमीरा स्थित नितेश सिंह का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह आयोजन उनके कार्यालय में किया गया, जहाँ बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं मित्रगण उपस्थित रहे। गौरतलब है कि नितेश सिंह एक सक्रिय समाजसेवी हैं। वे प्रयास फाउंडेशन के अध्यक्ष होने के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी के युवा जिला उपाध्यक्ष भी हैं। जन्मदिन के शुभ अवसर पर नितेश सिंह ने सामाजिक सरोकारों का परिचय देते हुए श्री नित्यानंद आश्रम पहुंचकर असहाय, अनाथ एवं बुजुर्ग जनों के साथ केक काटा और उन्हें भोजन कराकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर नगरसेवक अनिल भोसले, पत्रकार तारकेश्वर पांडे, मुकेश सिंह, गौरव सिंह, राजू गुप्ता, बबलू पांडे, योगेश पांडे, हरेंद्र यादव, जगदीश सिंह, नरेंद्र यादव, संजय सिंह, अनिकेत पांडे, श्रीमती वैशाली मैडम, श्रीमती कविता भोये, अच्छे लाल यादव, प्रदीप शर्मा, सत्येंद्र भारद्वाज, अमरजीत पाल, छोरेलाल पाल, हंसराज यादव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी उपस्थितजनों ने नितेश सिंह को गुलदस्ता भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विकसित भारत अभियान के तहत कुष्ठ रोग उन्मूलन हेतु जनपद ने लिया संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के नेतृत्व में जनपद में विकसित भारत अभियान के अंतर्गत कुष्ठ रोग उन्मूलन को लेकर व्यापक जागरूकता एवं संकल्प कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिसके क्रम में उन्होंने जनपद वासियों को संकल्प दिलाते हुए कहा है कि जनपद के लोग और जिला प्रशासन विकसित भारत अभियान के अवसर पर यह घोषणा करते हैं कि हम अपने जनपद को कुष्ठ रोग से मुक्त बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोडेगें। कुष्ठ रोग को पहचानना बहुत आसान है और यह साध्य है। हम सभी कुष्ठ रोगियों को जितनी जल्दी हो सके खोजने के लिए हर सम्भव प्रयास करेगें। हम इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जिले में उपलब्ध सभी संसाधनों का उपयोग करेगें। इसके साथ हम कुष्ठ प्रभावित व्यक्ति से कोई भेदभाव नहीं करेगें और न ही किसी दूसरे व्यक्ति को कुष्ठ रोग प्रभावित व्यक्ति और उनके परिवार के सदस्यों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव करने देगें। हम व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों से जुडे कलंक और भेदभाव को समाप्त करने और उनको समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए अपना पूर्ण योगदान देगें। इसके साथ ही प्रतिज्ञा दिलायी कि हम सभी कलंक एवं भेदभाव के प्रति शून्य सहिष्णुता के लिये भेदभाव समाप्त कर गरिमा सुनिश्चित करेंगे।

समाजसेवी राजेश गुप्ता का निधन, शोक की लहर

भदोही। शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं समाजसेवी राजेश गुप्ता का 69 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे और वाराणसी स्थित गैलेक्सी हॉस्पिटल में उपचाराधीन थे। बीती रात 4 फरवरी 2026 को इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही परिवार, शुभचिंतकों और समाज में शोक की लहर दौड़ गई। राजेश गुप्ता के निधन की सूचना मिलते ही उनके छोटे भाई उमेश गुप्ता (मुन्ना) के आवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लग गया। बड़ी संख्या में सामाजिक, राजनीतिक एवं व्यापारिक जगत से जुड़े लोग उनके आवास पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाते रहे। शोक व्यक्त करने वालों में विधायक जाहिद बेग, चेयरमैन अतहर अंसारी, मो. रजा खान, ओमकार नाथ मिश्रा, ओ.एन. मिश्रा (बच्चा बाबू), सिद्धनाथ सिंह, रवि पाटोदिया, शिव सागर तिवारी, संजय गुप्ता, पंकज बरनवाल, सादिक अंसारी, अमित मौर्य, अनिल सिंह (सीओए, सीईपीसी), विकास यादव, पन्ना लाल यादव, शाहिद अंसारी, मुजाहिद हुसैन, फैयाज अंसारी, रमेश यादव, वकील कुरैशी, जीत दुबे, दिलीप गुप्ता, सुरेंद्र यादव, अजय दुबे (सभासद) सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल रहे। दिवंगत राजेश गुप्ता का अंतिम संस्कार वाराणसी के हरिश्चंद्र घाट पर वैदिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। उनके निधन से परिजनों सहित समाज के लोगों में गहरा शोक व्याप्त है। इस दौरान लोगों ने ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

इंदौर कोर्ट का बड़ा फैसला, 'गर्भस्थ शिशु' भी माना जाएगा पिता का आश्रित

इंदौर। सड़क दुर्घटनाओं में मुआवजे के दावों को लेकर इंदौर जिला न्यायालय ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण कानूनी मिसाल कायम की है। कोर्ट ने अपने एक फैसले में माना है कि पिता की मृत्यु के समय यदि बच्चा मां के गर्भ में है, तो भी उसे पिता की आय पर 'आश्रित' माना जाएगा। इस आधार पर कोर्ट ने मृतक पुलिस आरक्षक के परिवार के पक्ष में फैसला सुनाते हुए बीमा कंपनी को भारी क्षतिपूर्ति राशि देने का निर्देश दिया है। यह मामला मध्य प्रदेश पुलिस के आरक्षक सतीश रूडेले से जुड़ा है। 8 जुलाई 2021 को सतीश अपने तीन मित्रों–अनिल, आकाश और मुकेश के साथ कार से भोपाल जा रहे थे। रात करीब एक बजे जब कार हाईवे के किनारे खड़ी थी और सतीश लघुशंका के लिए गाड़ी से बाहर निकले, तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

विधायक स्नेहा ताई दुबे पंडित की पहल से अमृत योजना 2 का लाभ, निर्मलगांव में जल्द मिलेगा पीने का पानी

वसई । वसई विधानसभा की विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित की पहल पर अमृत योजना 2 के अंतर्गत निर्मलगांव मलाई तलाव, हरिपद क्षेत्र में शीघ्र ही पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध होने जा रही है। निर्मलगांव मलाई तलाव, हरिपद के नागरिकों ने दिनांक 05 फरवरी 2026 को भाजपा वसई पश्चिम मंडल सचिव श्रीमती विजयता सर्वे के माध्यम से विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित से पाइपलाइन एवं स्टैंड पोस्ट द्वारा पीने के पानी की आपूर्ति की मांग की थी। इस मांग को गंभीरता से लेते हुए विधायक दुबे पंडित ने तत्काल संबंधित विभाग के अधिकारियों से दूरभाष पर संपर्क कर कार्य का फॉलो-अप किया।

पानी की समस्या को लेकर वार्ड कमेटी ए के वार्ड क्रमांक 16 की कॉर्पोरेटर श्रीमती मीरा समीर निकम, जिला परिषद सदस्य श्रीमती आशा नितेश चव्हाण, वेस्ट रूरल मंडल सेक्रेटरी श्रीमती विजयता सुर्वे दुदवडकर, रोहन नेरुरकर, बावतीस फिगर, बूथ अध्यक्ष श्रीमती पूनम राउत, श्रीमती संगीता राउत सहित अन्य पदाधिकारियों ने संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते हुए धरना प्रदर्शन भी किया था।

इन लगातार प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है और दिनांक 10 फरवरी 2026 से पीने के पानी की पाइपलाइन बिछाने तथा स्टैंड पोस्ट के माध्यम से पानी की आपूर्ति का कार्य शुरू किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण कार्य से क्षेत्र के नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या का समाधान होगा। स्थानीय नागरिकों ने विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित के प्रति आभार व्यक्त किया है। यह पहल एक बार फिर वसई विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को लेकर उनके सतत फॉलो-अप और विकासोन्मुख नेतृत्व को दशार्ती है।

श्रमन कॉन्वेंट स्कूल उर्दू बाजार में 17 वां वार्षिकोत्सव मनाया गया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। श्रमन कॉन्वेंट स्कूल उर्दू बाजार में 17 वां वार्षिकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गिरीश चंद्र यादव राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवम युवा कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश सरकार। एवम पुर्वान्चल विश्व विद्यालय के प्रोफेसर मानस पांडे सर एवम कुमारी सुभासिनी जिला युवा कल्याण अधिकारी अम्बेडकर नगर। मंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर नन्हे-मुन्ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय द्वारा शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु आयोजित यह सांस्कृतिक कार्यक्रम अत्यंत सराहनीय रहा। बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और मंच पर उनका उत्साह देखकर मन प्रफुल्लित हो गया। इस सफल आयोजन के लिए विद्यालय के समस्त शिक्षकगण को हार्दिक बधाई एवं बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अनंत शुभकामनाएँ। यह दिन सिर्फ खुशियों का नहीं, बल्कि मेहनत, लगन और सपनों का जश्न है। इस साल हमने पढ़ाई में अच्छे नंबर लाए, खेल में मेडल जीते, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा दिखाई और पर्यावरण संरक्षण जैसे कामों में भी हिस्सा लिया। ये सब हमारे शिक्षकों के मार्गदर्शन, माता-पिता के सहयोग और हम सबकी एकजुटता से संभव हुआ। वार्षिक उत्सव हमें सिखाता है कि जीवन में सफलता तभी मिलती है जब हम मेहनत करें, टीमवर्क रखें और कभी हार न मानें। आज मंच पर हमारे छोटे-छोटे कलाकार अपनी कला दिखा रहे हैं, जो बताता है कि हर बच्चे में छिपी प्रतिभा को बस एक मौका चाहिए। अंत में, मैं सभी को धन्यवाद देना चाहता हूँ हमारे शिक्षकों को जो हमें ज्ञान देते हैं। अभिभावकों को जो हमें सपोर्ट करते हैं। श्रमन कॉन्वेंट स्कूल के प्रबंधक आदित्य प्रकाश ने मंत्री गिरीश चन्द यादव, डॉ. रवि प्रकाश, मानस पांडे, कुमारी सुभासिनी, सुशील कुमार गुप्ता, कलीम सीद्दीकी का आभार व्यक्त किया।

केनडियर का वैलेंटाइन्स-डे कलेक्शन मना रहा है आधुनिक प्यार का जश्न

मुंबई। इस वैलेंटाइन, केनडियर बाए कल्याण ज्वेलर्स लेकर आए हैं प्यार का वो एहसास, जो सीधा दिल तक जाए। मॉडर्न रोमांटिक्स के लिए बनाया गया, जो खूबसूरती के साथ-साथ रिश्तों की गहराई को भी समझते हैं। नेकपीसेस और इयररिंग्स का वैलेंटाइन्स डे कलेक्शन क्लासिक हार्ट डिजाइन को आधुनिक रंग-रूप में ढालकर बनाया गया है।

सोने की कोमल गर्माहट, हीरों की चमक और गुलाबी रत्नों का निखार... इन गहनों का हर कतरा एक एहसास है। इनमें कोई शोर नहीं, बस एक खामोश नजाकत है और सादगी जो आपकी हर छोटी मुस्कान और हर बड़ी जीत का हिस्सा बन जाए। केनडियर के आभूषण सिर्फ आभूषण नहीं, आपकी छोटी-बड़ी खुशियों और जिंदगी के यादगार पड़ावों के खूबसूरत हमसफर हैं।

वैलेंटाइन डे के पुराने अंदाज से हटकर, यह कलेक्शन आज के दौर के प्यार को दशार्ता है जो सहज है, गहरा है और भावनाओं से भरपूर है। यह कलेक्शन रूढ़ियों को तोड़कर उस प्यार का जश्न मनाता है जो कोमल भी है और हकीकत के करीब भी। केनडियर के वैलेंटाइन्स डे कलेक्शन से इनवैलर डायमंड पेंडेंट और स्टड इयररिंग्स में अनंत के शाश्वत प्रतीक और हृदय के आकार वाले गुलाबी रत्न का अद्भुत संगम यानी दिल की धड़कन में सिमटा, वो अनंत सा प्यार, गुलाबी चमक में झलकता, सदियों का इकरार! हीरों से जड़ा रोज गोल्ड और अनंत प्रेम का ये संगम, आपके व्यक्तित्व को एक रूमानी चमक से निखार देगा, वहीं इसके साथ के मैचिंग हार्ट इयररिंग्स एक कोमल और रूमानी चमक बिखेरते हैं। साथ में पहनने या अलग-अलग स्टाइल करने के लिए डिजाइन किया गया यह सेट साथ होने का एक खूबसूरत अहसास है, जो हमेशा-हमेशा के लिए बने रिश्तों और प्यार के यादगार पलों का जश्न मनाने के लिए एक बेहतरीन तोहफा है।

लॉवेल डायमंड पेंडेंट और स्टड इयररिंग्स सेट : प्यार का अनकहा वादा! यह 'स्विर्ल' (घूमता हुआ) मोटिफ साथ रहकर आगे बढ़ते रहने का प्रतीक है। हाटोर्रा डायमंड सेट : मोहब्बत का नूर जो रहे हमेश दिल के करीब ! केनडियर का यह पेंडेंट और इयररिंग्स सेट प्रेम के सबसे चमकदार रूप की गवाह है। वेलवेट ब्लूम डायमंड इयररिंग्स : फूलों की कोमलता और हीरों की चमक का संगम। ये हल्के-फुल्के, क्लासी और हर मौके के लिए परफेक्ट हैं। लॉविटा डायमंड इयररिंग्स : सोने की गर्माहट, हीरों की जगमगाहट, और गुलाबी रत्न की कोमलता को एक साथ पिरोते हैं।